▪ कार्तिक शुक्ल - 4 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 112 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 17-11-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 फर्जी वीडियो वायरल करना कांग्रेस की हताशा का परिचायक : मायावती

6 लोकतंत्र में होती है एक एक वोट की कीमत

7 नाना पाटेकर ने वाराणसी के किशोर की पिटाई करने को लेकर मांगी माफी

फर्स्ट टेक

एक्सिस बैंक सहित तीन वित्तीय कंपनियों पर रिजर्व बैंक ने ठोका जुर्माना

मुंबई/वार्ता। भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एक्सिस बैंक, मणप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड और आनंद राठी ग्लोबल फाइनेंस लिमिटेड पर नियमों का पालन नहीं करने के आरोप पर आर्थिक जुर्माना किया है। केन्द्रीय बैंक ने आज कहा कि एक्सिस बैंक लिमिटेड पर 90.92 लाख रुपये का मौद्रिक जुर्माना लगाया गया है। 'भारतीय रिजर्व बैंक (अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी)) दिशानिर्देश, 2016', 'ऋण और अग्रिम – वैधानिक और अन्य प्रतिबंध', 'वित्तीय आउटसोर्सिंग में जोखिम प्रबंधन और आचार संहिता पर दिशानिर्देश' पर जारी कुछ निर्देशों का अनुपालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 46 (4) (आई) के साथ पठित धारा 47 ए (1) (सी) के प्रावधानों के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह जुर्माना लगाया गया है।

मेटा, टिकटॉक ने ईयू के डिजिटल बाजार के नए नियमों को चुनौती दी

मॉस्को/वार्ता। चीन की बाइटडांस के स्वामित्व वाली मेटा (रूस में प्रतिबंधित) और टिकटॉक ने अपनी सेवाओं को 'गेटकीपर' के रूप में प्रचारित करने के यूरोपीय संघ(ईयू) के फैसले के खिलाफ अपील की है, जिसे ऑनलाइन बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से नए डिजिटल बाजार अधिनियम (डीएमए) के अंगर्तत कुछ दायित्वों और निषेधों का पालन करना होगा। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, टिकटॉक ने गुरुवार को इस फैसले को चुनौती देते हुए कहा कि यह कानून की आवश्यक नियमों का पालन नहीं करता है, जबकि गेटकीपर के रूप में दिया गया पदनाम कंपनी की विकास और उसकी क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

यूक्रेन या रूस को हथियार नहीं बेचे : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने यूक्रेन या रूस को हथियार मुहैया नहीं कराये हैं क्योंकि वह दोनों देशों के बीच संघर्ष में तटस्थ है। तीसरे देश के माध्यम से यूक्रेन को हथियारों की कथित बिक्री के बारे में पूछे गये सवाल पर साप्ताहिक प्रेसवार्ता में विदेश कार्यालय (एफओ) की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा, ''मैं इस बात की पुष्टि करती हूं, जैसा हमने अतीत में कहा है कि पाकिस्तान ने यूक्रेन या रूस को हथियार नहीं बेचे हैं क्योंकि हमने इस संघर्ष में तटस्थता की नीति अपनाई है।'' बलोच ने कहा कि पाकिस्तान यह पुष्टि करने की स्थिति में नहीं है कि संघर्ष में दोनों पक्षों द्वारा किन हथियार का इस्तेमाल किया जा रहा है।

17-11-2023 सूर्यास्त	18-11-2023 सूर्योदय
5:39 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
65,982.48	19,765.20
(+306.55)	(+89.75)

सोना	चांदी
6,241 रु.	77,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्रिकेट का ग्रेट

कर लो फाइनल को मुट्ठी में,
खेलो तुम अब ऐसा क्रिकेट।
जीतो बहुत जरूरी है,
रख करके तगड़ी रन की रेट।
किस तरह से दोगे पटखनी ,
सोचो बस इसका सीक्रेट।
साबित अब करना ही होगा,
सचमुच में हो तुम कितने ग्रेट।।

भारत समुद्री कानूनों के अनुरूप नौवहन और व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्धः राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र समझौता 1982 सहित सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्र में नौवहन, हवाई उड़ान और निर्बाध वैध व्यापार की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध है।

सिंह ने गुरूवार को इंडोनेशिया के जकार्ता में आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की 10वीं बैठक (एडीएमएम-प्लस) को संबोधित करते हुए आसियान के महत्व का उल्लेख करते हुए क्षेत्र में बातचीत एवं सर्वसम्मति को बढ़ावा देने में इसकी भूमिका की सराहना की।

रक्षा मंत्री ने विभिन्न हितधारकों के बीच व्यापक सहमति पर आधारित क्षेत्रीय सुरक्षा पहलों का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए एडीएमएम-प्लस के साथ व्यावहारिक, दूरदर्शी और परिणामोन्मुखी सहयोग को बढ़ावा देने के बारे में भी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

सिंह ने जोर देते हुए कहा कि संघर्ष और टकराव से मानव जीवन की हानि के साथ साथ आजीविका नष्ट होती है, क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्तर पर स्थिरता में बाधा आती है और इसका खाद्य सुरक्षा तथा ऊर्जा सुरक्षा आदि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने आसियान और इससे जुड़े देशों के साथ काम करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई जिससे कि शांति, समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। उन्होंने शांति पर अपने विचार रखते हुए महात्मा गांधी का हवाला देते हुए कहा, शांति का कोई रास्ता नहीं है, केवल शांति है।

रक्षा मंत्री ने स्थायी शांति और वैश्विक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बातचीत और कूटनीति की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने दुनिया भर में भारत के इस संदेश की पुष्टि की, कि यह युद्ध का युग नहीं है और हम बनाम वह मानसिकता को छोड़ने की जरूरत पर बल दिया।

सिंह ने भारत-आसियान गतिविधियों विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं के लिए पहल और समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण में आसियान सदस्य देशों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की।

भारत और श्रीलंका के बीच सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' शुरू

नई दिल्ली/वार्ता। भारत और श्रीलंका के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास मित्र शक्ति-2023 का नौवां संस्करण गुरूवार को पुणे के औंध में शुरू हुआ। दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियां 16 से 29 नवंबर तक अभ्यास करेंगी।अभ्यास में भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के 120 सैनिकों द्वारा किया जा रहा है। श्रीलंकाई पक्ष का प्रतिनिधित्व 53 इन्फेंट्री डिवीजन के सैनिकों द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वायु सेना के 15 सैनिक और श्रीलंकाई वायु सेना के पांच सैनिक भी अभ्यास में भाग ले रहे हैं। इसका आयोजन संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास के लिए किया गया है। अभ्यास के दायरे में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान परस्पर तालमेल बैठाना भी है। दोनों पक्ष छापेमारी, खोज और मिशन को नष्ट करने, हेलिबोर्न ऑपरेशन आदि जैसी सामरिक कार्रवाइयों का अभ्यास करेंगे।

पांच वर्षों में तीन हजार नई ट्रेनें शुरू करेगा रेलवे : अश्विनी वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को कहा कि रेलवे की मौजूदा यात्री क्षमता को 800 करोड़ से बढ़ाकर एक हजार करोड़ करने के लिए वह अगले चार-पांच वर्षों में तीन हजार नई ट्रेनें शुरू करने की योजना पर काम कर रहे हैं।

वैष्णव ने यह भी कहा कि यात्रा का समय कम करना उनके मंत्रालय का एक और महत्वपूर्ण लक्ष्य है। वैष्णव ने यहां रेल भवन में संवाददाताओं से कहा, 'वर्तमान में लगभग 800 करोड़ यात्री सालाना रेलवे का सफर कर रहे हैं। हमें चार से पांच साल में इस क्षमता को बढ़ाकर एक हजार करोड़ करना होगा क्योंकि जनसंख्या बढ़ रही है।' उन्होंने कहा, इसके लिए हमें तीन हजार अतिरिक्त ट्रेनों की जरूरत है, जो यात्रियों की इस बढ़ी हुई संख्या को सहूलियत देने में मदद करेंगी।

रेलवे सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल 69 हजार नए कोच उपलब्ध हैं और हर साल रेलवे करीब पांच हजार नए कोच बना रहा है। सूत्रों ने कहा कि इन सभी प्रयासों से रेलवे हर साल 200 से 250 नई ट्रेनें ला सकता है, जो 400 से 450 वंदे भारत ट्रेनों से अलग हैं। ये ट्रेनें आने वाले वर्षों में रेलवे से जुड़ने जा रही हैं। वैष्णव ने कहा कि यात्रा का समय कम करना रेलवे के लिए एक और लक्ष्य है, जिसके लिए मंत्रालय ट्रेनों की गति में सुधार और रेल नेटवर्क का विस्तार करने पर काम कर रहा है।

आईसीसी विश्व कप फाइनल में

ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा भारत

ऑस्ट्रेलिया से दक्षिण अफ्रीका तीन विकेट से हारा

▪ 19 नवंबर को अहमदाबाद में फाइनल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पांच बार के चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने गुरूवार को यहां दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को तीन विकेट से हराकर अपने आठवें विश्व कप फाइनल में प्रवेश किया जिसमें 19 नवंबर को अहमदाबाद में उसका सामना मेजबान भारत से होगा।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम डेविड मिलर की दबाव भरी परिस्थितियों में खेली गयी 101 रन शतकीय पारी के बावजूद 49.4 ओवर में 212 रन पर सिमट गयी।

आस्ट्रेलिया ने 47.2 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 215 रन बनाकर जीत हासिल की जिसमें शुरू में ट्रेविस हेड की 48 गेंद में 62 रन की अर्धशतकीय पारी ने अहम योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर तबरेज शम्सी (42 रन देकर दो विकेट), केशव महाराज (24 रन देकर एक विकेट) और ऐडन मार्कराम (23 रन देकर एक विकेट) ने शानदार गेंदबाजी कर आस्ट्रेलिया को आसानी से जीत हासिल नहीं करने दी।

निज्जर पर कनाडा के आरोपों पर जांच से इनकार नहीं कर रहा भारत, लेकिन उसे सबूत चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की भूमिका के कनाडा के आरोपों पर जांच से भारत ने इनकार नहीं किया है लेकिन वह चाहता है कि कनाडा अपने आरोपों के संबंध में भारत को सबूत मुहैया कराए।

जयशंकर ने वरिष्ठ पत्रकार लियोनेल बार्बर के साथ यहां 'हाऊ ए बिलियन पीपुल सी द वर्ल्ड' शीर्षक वाले कार्यक्रम में बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, अगर आपके पास इस प्रकार के आरोप लगाने के कारण हैं तो कृपया करके सबूत साझा कीजिए क्योंकि हम जांच से तो इनकार नहीं कर रहे...।

पांच दिन की ब्रिटेन यात्रा पर आए जयशंकर ने कहा कि कनाडा ने अपने आरोपों के पक्ष में भारत के साथ कोई सबूत साझा नहीं किए हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की 'संभावित' संलिप्तता के आरोप सितंबर में लगाए थे जिसके बाद से भारत और कनाडा के संबंध बेहद तनावपूर्ण हो गए थे। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था।

भारत ने ट्रूडो के आरोपों को बेतुका करार देते हुए खारिज कर दिया था।

भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सभी धर्मों का बराबर सम्मान करना है

लंदन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर का मानना है कि भारत के लिए धर्मनिरपेक्षता का मतलब गैर-धार्मिक होना नहीं बल्कि सभी धर्मों का बराबर सम्मान करना है, लेकिन अतीत में अपनाई गई 'तुष्टीकरण' की सरकारी नीतियों ने देश के सबसे बड़े धर्म के लोगों को ऐसा महसूस कराया जैसे समानता के नाम पर उन्हें स्वयं की ही निंदा करनी पड़ी हो। लंदन के रॉयल ओवर-सीज लीग में 'दुनिया के बारे में एक अरब लोगों का नजरिया' विषय पर बुधवार शाम को आयोजित एक चर्चा के दौरान जयशंकर ने यह बात कही।

जयशंकर से पूछा गया कि क्या नेहरू युग के बाद से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के शासनकाल में भारत उदार कम और 'बहुसंख्यकवादी हिंदू' राष्ट्र अधिक बन गया है। जयशंकर ने इस सवाल के जवाब में कहा कि भारत निश्चित रूप से बदल गया है और इस परिवर्तन का मतलब यह नहीं है कि भारत कम उदार हो गया है, बल्कि देश के लोग अब अपनी मान्यताओं को अधिक प्रामाणिक ढंग से व्यक्त करते हैं।

जयशंकर ने पत्रकार एवं लेखक लियोनेल बार्बर के एक सवाल के जवाब में कहा, क्या भारत नेहरूवादी युग से बदल गया है? बिल्कुल, क्योंकि उस युग की एक धारणा जिसने विदेश में देश की नीतियों और उनके क्रियान्वयन को बहुत हद तक निर्देशित किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कैग, अन्य संस्थाओं से 2047 तक विकसित भारत बनाने में योगदान देने के लिए कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत के लोग देश को 2047 तक विकसित बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहते हैं और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थानों को इस लक्ष्य की प्राप्ति में योगदान देना चाहिए।

कैग द्वारा आयोजित तृतीय 'ऑडिट दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने विभिन्न कदम उठाने के लिए नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की तारीफ भी की। इनमें डाटा प्रबंधन और विश्लेषण केंद्र की स्थापना शामिल है जिसमें डिजिटल प्रौद्योगिकी और अन्य आधुनिक तरीके अपनाए जा रहे हैं। मुर्मू ने कहा, आज, हमारे देशवासी 2047 तक विकसित भारत बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ना चाहते हैं। कैग समेत देश के सभी महत्वपूर्ण संस्थानों और समुदायों को इस लक्ष्य को पाने के लिए योगदान देना होगा।

देश में 16 नवंबर, 1860 को प्रथम महालेखा परीक्षक की नियुक्ति और कैग के गठन के महत्व को रेखांकित करते हुए 2021 से हर साल आज के दिन 'ऑडिट दिवस' मनाया जाता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि कैग की पूरी टीम से एक नियंत्रक और एक परीक्षक के रूप में योगदान की अपेक्षा की जाती है।

राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी : विश्वप्रसन्न तीर्थ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलुरु (कर्नाटक)/भाषा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के न्यासी और उडुपी पेजावर मठ के प्रमुख श्री विश्वप्रसन्न तीर्थ ने बृहस्पतिवार को कहा कि 22 जनवरी को भगवान श्री राम की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के एक दिन बाद श्रद्धालु अयोध्या में श्री राम मंदिर में दर्शन कर सकेंगे।

संवाददाताओं को यहां संबोधित करते हुए तीर्थ ने कहा कि 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में 'अभिजीत मुहूर्त' में मंदिर में मूर्ति स्थापित की जाएगी। सुरक्षा कारणों से उद्घाटन के दिन केवल आमंत्रित अतिथियों को ही मंदिर में प्रवेश की अनुमति होगी। स्वामी ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद राम मंदिर के निर्माण से भारतीयों का सपना साकार हो रहा है।

प्रधानमंत्री द्वारा मंदिर के उद्घाटन को देश के सभी राम मंदिरों में श्रद्धालु देख सकेंगे।

संत ने कहा कि मंदिर के अभिषेक की रस्में उद्घाटन से पांच दिन पहले शुरू हो जाएंगी। राम की मूर्ति की ऊंचाई पांच-छह फुट है और इसे मूर्त रूप दिया जा रहा है तथा 17 जनवरी को इसे शोभायात्रा के जरिए सरयू नदी तक ले जाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभिषेक के बाद मूर्ति को मंदिर लाया जाएगा। 18 जनवरी को इसे मंदिर के गर्भगृह में रखा जाएगा। उसी दिन से अगले तीन दिनों तक विभिन्न अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।

इजराइल ने गाजा के दक्षिण में व्यापक अभियान का संकेत दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खान यूनिस/एपी। इजराइली सुरक्षा बलों ने फलस्तीनियों को दक्षिणी गाजा के कुछ हिस्सों से भागने की चेतावनी देते हुए पर्चे गिराए हैं। यह जानकारी निवासियों ने बृहस्पतिवार को दी। यह इजराइली सैनिकों के उस क्षेत्र में हमले के संभावित विस्तार का संकेत है, जहां से अधिकांश आबादी इजराइल की बमबारी और जमीनी हमले से बचने के लिए भाग गई है।

इस बीच, इजराइली सैनिकों ने उत्तर में शिफा अस्पताल में तलाशी जारी रखी जो बुधवार तड़के शुरू हुई थी। इजराइली सैनिकों ने कुछ बंदूकें दिखायीं और कहा कि ये एक इमारत में मिलीं लेकिन उन्होंने अभी तक हमास के केंद्रीय कमान सेंटर होने का कोई सबूत जारी नहीं किया है, जिसके बारे में इजराइल ने कहा है कि वह परिसर के नीचे छिपा है। हमास और गाजा के सबसे बड़े अस्पताल के कर्मचारियों ने इन आरोपों से इनकार किया है।

इजराइल ने दक्षिण में अभियान का विस्तार किया है जहां वह पहले से ही प्रतिदिन हवाई हमले करता रहा है। घिरे हुए क्षेत्र में पहले से ही गंभीर मानवीय संकट का खतरा है। गाजा में 15 लाख से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हो गए हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिण की ओर भाग गए हैं, जहां भोजन, पानी और बिजली की कमी बढ़ती जा रही है। यह स्पष्ट नहीं है कि वे और कहां जा सकते हैं, क्योंकि मिस्र ने अपने देश में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को लेने से इनकार कर दिया है। फलस्तीनी दूरसंचार प्रदाता के अनुसार यह क्षेत्र बृहस्पतिवार को तब फिर से बाहरी दुनिया से कट गया, जब ईंधन की कमी के कारण सभी संचार सेवाएं बंद हो गईं।

इजरायल ने गाजा में संयुक्त राष्ट्र के आह्वान को किया खारिज

यरूशलम/वार्ता। इजरायल ने गुरुवार को इजरायल-हमास संघर्ष में विस्तारित मानवीय विराम के संयुक्त राष्ट्र (यूएन) सुरक्षा परिषद के आह्वान को खारिज कर दिया। इजरायली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियोर हयात ने एक बयान में कहा, जब तक 239 अपहृत लोग हमास के हाथों में हैं, तब तक विस्तारित मानवीय रोक अस्थिर है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायल पर सात अक्टूबर को अचानक हुए हमले के लिए ' स्पष्ट रूप से हमास की निंदा करने' का आह्वान किया। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने बुधवार को गाजा पट्टी में तत्काल एवम् विस्तारित मानवीय ठहराव और गलियारों के लिए एक प्रस्ताव अपनाया, ताकि घिरे फिलिस्तीनी क्षेत्र में नागरिकों तक तत्काल आवश्यक सहायता पहुंचाई जा सके। गाजा में सरकारी मीडिया कार्यालय के अनुसार, गाजा में इजरायली हमलों में करीब 11,500 लोग मारे गए हैं। इनमें 4,710 बच्चे और 3,003 महिलाएं शामिल हैं जबकि 29 हजार से अधिक अन्य घायल हुए हैं।

केरल को विश्व स्तरीय अर्थव्यवस्था में बदलने में भागीदार बने : विजयन

तिरुवनंतपुरम/वार्ता। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गुरुवार को निवेशकों से राज्य के समृद्ध पर्यटन क्षेत्र में निवेश करके केरल को विश्व स्तरीय अर्थव्यवस्था में बदलने में भागीदार बनने का आह्वान किया।

विजयन ने यहां टूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट का उद्घाटन करते हुए कहा, केरल खुद को देश में सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थल से उत्तम पर्यटन निवेश स्थल में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार है। केरल पर्यटन में निवेश करके आप भी इस जबरदस्त बदलाव का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा,केरल देश का एकमात्र राज्य है जहां चार अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। हमारे पास असंख्य राष्ट्रीय और राज्य राजमार्ग हैं। जल्द ही केरल के उत्तरी छोर से दक्षिणी छोर तक पानी के रास्ते यात्रा की जा सकेगी। केरल में देश में सबसे ज्यादा 5-सितारा होटल हैं। हम निवेश के लिए तैयार हैं, हम सुलभ हैं, हमारा कार्यबल अच्छी तरह से प्रशिक्षित है और हमारा भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढांचा देश में बेजोड़ है।

विजयन ने कहा कि टूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट का उद्देश्य संभावित सहयोग का पता लगाने और केरल के पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए निवेशकों को प्रमुख हितधारकों, स्थानीय उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ जोड़ना है।

रिजर्व बैंक ने व्यक्तिगत कर्ज को लेकर बैंक, एनबीएफसी के लिए नियमों को सख्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25% की वृद्धि की गई है। हालांकि संशोधित नियम गृह, शिक्षा और वाहन ऋण सहित कुछ उपभोक्ता कर्ज पर लागू नहीं होंगे। इसके अलावा यह नियम सोने और सोने के आभूषणों के एवज में दिए गए कर्ज पर भी लागू नहीं होगा। इन कर्जों पर 100% जोखिम भारांश रहेगा लागू

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज से जुड़े नियमों को कड़ा किया। संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। हालांकि संशोधित नियम गृह, शिक्षा और वाहन ऋण सहित कुछ उपभोक्ता कर्ज पर लागू नहीं होंगे।

इसके अलावा यह नियम सोने और सोने के आभूषणों के एवज में दिए गए कर्ज पर भी लागू नहीं होगा। इन कर्जों पर 100 प्रतिशत जोखिम भारांश लागू रहेगा।

उच्च जोखिम भार का मतलब है कि जब असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज की बात आती है तो बैंकों को अलग से ज्यादा राशि का प्रावधान करना होगा। दूसरे शब्दों में, उच्च जोखिम भार बैंकों की कर्ज देने की क्षमता को सीमित करता है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में उपभोक्ता कर्ज की श्रेणी में कुछ ऋण में अधिक वृद्धि की बात कही थी। उन्होंने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अपनी आंतरिक निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने, बढ़ते जोखिमों से निपटने तथा अपने हित में उपयुक्त सुरक्षा कदम उठाने की सलाह दी थी। दास ने जुलाई और अगस्त में क्रमशः प्रमुख बैंकों और बड़े एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों/मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान उपभोक्ता कर्ज में उच्च वृद्धि और बैंक उधार पर एनबीएफसी की बढ़ती निर्भरता का भी जिक्र किया था। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा, समीक्षा के आधार पर व्यक्तिगत कर्ज सहित वाणिज्यिक बैंकों (बकाया और नए) के उपभोक्ता कर्ज के मामले में जोखिम के संबंध में जोखिम भार बढ़ाने का फैसला गया है। इसके तहत जोखिम भार को 25 प्रतिशत बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि, इसमें आवास ऋण, शिक्षा कर्ज, वाहन कर्ज और सोना तथा स्वर्ण आभूषण के आधार पर लिए गए कर्ज को शामिल नहीं किया गया है।

केंद्रीय बैंक ने बैंकों और एनबीएफसी के लिए कर्ज प्राप्तियों पर जोखिम भार को भी 25 प्रतिशत बढ़ाकर क्रमशः 150 प्रतिशत और 125 प्रतिशत कर दिया है।

मध्यप्रदेश : सभी 230 सीटों के लिए कल मतदान

भोपाल/वार्ता। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सभी 230 सीटों पर शुक्रवार 17 नवंबर को मतदान होगा। इसके पहले निर्वाचन आयोग ने अपनी सभी तैयारियां लगभग पूरी कर लीं हैं। राज्य में सभी 230 क्षेत्रों में मतदान के लिए 17 नवंबर शुक्रवार का दिन निर्धारित है। मतदान सुबह सात बजे प्रारंभ होकर शाम छह बजे तक चलेगा। हालाकि नक्सली प्रभावित बालाघाट, डिंडोरी और मंडला जिले के संबंधित नक्सली क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों में मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे प्रारंभ होकर दिन में तीन बजे तक संपन्न करायी जाएगी।

कल होने वाले मतदान के पूर्व बुधवार शाम सभी 230 क्षेत्रों में चुनाव प्रचार अभियान की निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के साथ ही चुनावी शोरगुल थम गया। इसी क्रम में आज प्रत्याशी अब सिर्फ जनसंपर्क कर सकेंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने यूनीवार्ता को बताया कि निर्वाचन आयोग ने सभी 230 सीटों पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने के लिए आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्य के पांच करोड़ 60 लाख से अधिक मतदाता 65 हजार पांच सौ से अधिक मतदान केंद्रों पर पहचानपत्र के साथ पहुंचकर मतदान कर सकेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं से मतदान की प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की है। विधानसभा चुनाव में कुल 2533 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 2280 पुरुष, 252 महिलाएं और एक अन्य (थर्ड जेंडर) प्रत्याशी शामिल हैं।

तेलंगाना : विधानसभा चुनाव में 2290 उम्मीदवार मैदान में, 608 ने वापस लिया नामांकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए 2,290 उम्मीदवार मैदान में हैं जबकि 608 उम्मीदवारों ने अपना नाम वापस ले लिया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

कार्यालय के मुताबिक, गजवेल से 44 और कामारेड्डी विधानसभा क्षेत्र से 39 उम्मीदवार मैदान में हैं। दरअसल तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर भी इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि एल.बी. नगर विधानसभा सीट से सबसे ज्यादा 48 और बंसवाड़ा तथा नारायणपेट विधानसभा क्षेत्र से सबसे कम सात-सात उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कांग्रेस और अन्य बड़े दलों के कुछ नेताओं ने टिकट नहीं मिलने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया था लेकिन नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन यानि बुधवार को उन्होंने आधिकारिक उम्मीदवारों के समर्थन में अपना नाम वापस ले लिया।

इससे पहले निर्वाचन अधिकारियों ने नामंकन पत्रों की जांच के दौरान 2898 उम्मीदवारों के नामांकन को वैध पाया था और 606 उम्मीदवारों का नामांकन खारिज कर दिया था। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, तेलंगाना में कुल 3.26 करोड़ से ज्यादा मतदाता हैं, जिसमें पुरुष और महिलाएं मतदाता लगभग समान अनुपात में हैं। कार्यालय के मुताबिक, तेलंगाना के सेरिलिंगाम्पल्ली विधानसभा क्षेत्र में सबसे ज्यादा 7.32 लाख से अधिक मतदाता हैं जबकि भद्राचलम में सबसे कम 1.49 लाख मतदाता हैं। राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए 30 नवंबर को मतदान होना है और मतगणना तीन दिसंबर को होगी।

तेलंगाना में भाजपा यदि चुनाव नहीं जीती तो वह मजबूत विपक्ष के रूप में उभरेगी : राजा सिंह

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी एवं निवर्तमान विधायक टी राजा सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि उनकी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव नहीं जीतती है तो वह एक मजबूत विपक्ष के रूप में उभरेगी। सिंह ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम के नेताओं के साथ साठगांठ की है और उसने निर्वाचन क्षेत्र में करीब '17000 फर्जी मत' शामिल किए हैं। सिंह का बीआरएस के नंद किशोर व्यास और कांग्रेस की मोगिली सुनीता से चुनावी मुकाबला है।

उन्होंने कहा, हम आशान्वित हैं कि हम सरकार बनायेंगे। लेकिन यदि हम सरकार नहीं बना पाते हैं तो भाजपा एक मजबूत विपक्ष बनेगी। उनसे उन कुछ सर्वेक्षण के बारे में पूछा गया था जिनमें कहा गया है कि भाजपा तेलंगाना में सरकार नहीं बना पाएगी। भाजपा नेतृत्व ने पिछले महीने गोशामहल के इन विधायक का निलंबन रद्द कर दिया था। उसने उन्हें पहले दिए गए कारण बताओ नोटिस पर उनके स्पष्टीकरण पर गौर करते हुए ऐसा किया। पिछले साल अगस्त में राजा सिंह को भाजपा से निलंबित कर दिया गया था।

उत्तराखंड में बन रही सुरंगों की समीक्षा की जाएगी : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। पिछले चार दिन से सिलक्यारा सुरंग के अंदर फंसे 40 श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए भारी ऑगर मशीन से ड्रिलिंग शुरू होने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उत्तराखंड में बन रही सभी सुरंगों की समीक्षा की जाएगी।

यहां संवाददाताओं द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में धामी ने कहा, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के तहत आने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) सुरंग की निगरानी कर रही थी। हमें ऐसी सुरंगें चाहिए और उनमें से कई निर्माणाधीन हैं। जहां भी ऐसी सुरंगें बनाई जा रही हैं, हम उनकी समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री से पूछा गया था कि रविवार को सिलक्यारा सुरंग के एक हिस्से के ढहने के मद्देनजर उसके निर्माण में सामने आयी अनियमितताओं की क्या जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा, हम अपने शहरों की धारण क्षमता का अध्ययन कर रहे हैं। इसके साथ ही हम राज्य में बन रही सुरंगों की भी समीक्षा करेंगे। करीब 12 हजार करोड़ रुपए की लागत वाली महत्वाकांक्षी चारधाम 'ऑलवेदर' सड़क परियोजना के तहत पर्वतीय प्रदेश में कई सुरंगें बननी हैं। साढ़े चार किलोमीटर लंबी सिलक्यारा सुरंग भी चारधाम परियोजना का हिस्सा है। सिलक्यारा में जारी बचाव अभियान पर धामी निरंतर नजर बनाए हुए हैं और अधिकारियों तथा काम में लगी एजेंसियों से पूरी जानकारी ले रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर मतदान कल

रायपुर/वार्ता। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनावों के दूसरे एवं आखिरी चरण की 70 विधानसभा सीटों पर कल मतदान होगा। मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी हो गई है। मतदान को शान्तिपूर्ण सम्पन्न करवाने के लिए सुरक्षा के कड़े बन्दोबस्त किए जा रहे है। इस चरण के 70 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 958 उम्मीदवार अपना भाग्य आजमा रहे हैं जिनमें 827 पुरुष, 130 महिला और एक तृतीय लिंग हैं। जिन प्रमुख लोगो के क्षेत्र में कल मतदान होगा उनमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल(पाटन)उप मुख्यमंत्री टी.एस.सिंहदेव(अम्बिकापुर)विधानसभा अध्यक्ष डा.चरणदास महंत(सक्ती)भाजपा के प्रदेश अरूण साव (लोरमी),जनता कांग्रेस की अध्यक्ष डा.रेणु जोगी(कोटा),केन्द्रीय मंत्री रेणुका सिंह(भरतपुर सोनहत),पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद विष्णुदेव साय(कुनकुरी)और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल(जांजगीर)मुख्य है।

इसके अलावा भूपेश सरकार में मंत्री रविन्द्र चौबे के चुनाव क्षेत्र साजा,गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के चुनाव क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण,मंत्री अमरजीत भगत के चुनाव क्षेत्र सीतापुर,मंत्री उमेश पटेल के चुनाव क्षेत्र खरसिया,भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के चुनाव क्षेत्र रायपुर दक्षिण,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय के चुनाव क्षेत्र भिलाई नगर में भी कल मतदान होगा। राजधानी रायपुर की चारों सीटों पर भी इस चरण में मतदान होगा। इस चरण के मतदान के दौरान प्रदेश के एक करोड़ 63 लाख 14 हजार 479 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 81 लाख 41 हजार 624 पुरुष मतदाता, 81 लाख 72 हजार 171 महिला मतदाता तथा 684 तृतीय लिंग मतदाता शामिल हैं। सुगम मतदान सुनिश्चित करने के लिए कुल 18 हजार 833 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें से 700 संगवारी मतदान केंद्र हैं जहां सिर्फ महिला मतदान कर्मी ही पदस्थ रहेंगी। इस चरण में मतदान सुबह आठ बजे शुरू होगा और शाम पांच बजे तक चलेगा।

लुधियाना में देश की सबसे बड़ी साइकिल रैली आयोजित

लुधियाना/वार्ता। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में हज़ारों नौजवानों ने गुरुवार को पंजाब पुलिस द्वारा यहाँ निकाली गई देश की सबसे बड़ी साइकिल रैली में शिरकत की और लोगों को जागरूक करके नशों की कमर तोडऩे का संदेश दिया। मान ने कहा कि इस समागम का मुख्य मकसद नशों की समस्या पर काबू पाना और सेहतमंद एवं अच्छे जीवन के तौर पर साइकिल की सवारी को उभारना है। उन्होंने कहा कि यह रैली नशों के गंभीर परिणामों और नशे से मुक्त जीवन की महत्ता के बारे में जागरूकता पैदा करके नशों की माँग को घटाने में अहम ज़रिया साबित होगी। रैली को झंडी दिखा कर रवाना करने के मौके पर भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस रैली की बहुत ज़्यादा अहमीयत है, क्योंकि इतेफाक से यह रैली देश के सबसे नौजवान इंकलाबी शहीद करतार सिंह सराभा के शहादत दिवस के मौके पर करवाई गई है, जिसने 19 साल की उम्र में जीवन वतन के लिए कुर्बान कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 नवंबर का दिवस उनकी शहादत की भावुक याद दिलाता है और आज के इस ऐतिहासिक दिवस ने समागम को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गौरव और संतुष्टी वाली बात है कि साइकिल सवारों ने अलग-अलग पवित्र स्थानों की यात्रा की। हरेक जगह शहीदों के बलिदानों के साथ जुड़ी हुई है, जिनमें शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरू, शहीद करतार सिंह सराभा और शहीद उधम सिंह से सम्बन्धित है।

महिंद्रा ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र को 5 गुना करने का रखा है लक्ष्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महिंद्रा एक समय उच्च पूंजी आवश्यकताओं के कारण नवीकरणीय ऊर्जा से बाहर निकलने की कगार पर था लेकिन अब उसने अगले पांच वर्षों में कारोबार को पांच गुना करने की योजना बनाई है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अनीश शाह ने कहा कि एक महत्वपूर्ण बदलाव जिसने योजनाओं में बदलाव को प्रेरित किया और वास्तव में उसे बढ़ाने का विकल्प चुना....वह बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट्स) की शुरुआत था।

फिक्की के एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय के लिए कंपनी ने एक वैश्विक निवेशक के साथ साझेदारी की है। यह अगले पांच वर्षों में बढ़कर पांच गुना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय व्यवसाय में संसाधनों की खपत और कर्ज के ढेर के कारण पूंजी की समस्या थी। शाह ने कहा कि कंपनी के पास अब कारोबार के लिए एक स्पष्ट योजना है और आगे भी इसे बढ़ाने का लक्ष्य रखा जाएगा। समूह की वेबसाइट के अनुसार, नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय की क्षमता 1.55 गीगावॉट है।

कनाडा के ओंटारियो टीचर्स पेंशन प्लान बोर्ड ने पिछले साल 2,371 करोड़ रुपए के इक्विटी मूल्य पर महिंद्रा सस्टेन प्राइवेट लिमिटेड में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की थी। उसी लेनदेन के तहत 'इनविट' स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। शाह ने कहा कि भारत ने विश्व मंच पर अपने नेतृत्व को अच्छी तरह समझा है। मजबूत शासन और जीवंत पूंजी बाजार प्रत्येक राष्ट्र के लिए एक बड़ी आवश्यकता है।

मुफ्त खाद्यान्न पर प्रधानमंत्री की घोषणा का सरकार की प्रेस विज्ञप्ति में उल्लेख क्यों नहीं: कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को सवाल किया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को पांच साल के लिए बढ़ाने की प्रधानमंत्री की घोषणा का, इस योजना पर सरकार के बयान में उल्लेख क्यों नहीं है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्वीटर) पर पोस्ट किया, चार नवंबर को छत्तीसगढ़ में चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई), जो कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 की 'रीब्रान्डिंग' (नए नाम के साथ पेश करना) है, को अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा लेकिन कल शाम मोदी सरकार की एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि पीएमजीकेएवाई को एक जनवरी, 2023 से इस पूरे वर्ष के लिए बढ़ाया गया है। इसमें प्रधानमंत्री द्वारा घोषित 'एक्सटेंशन' (विस्तार) का कोई ज़िक्र नहीं है। आखिर यह हो क्या रहा है? प्रधानमंत्री ने जो घोषणा की, वह उनकी सरकार की प्रेस रिलीज़ में क्यों नहीं दिखती? केंद्र ने बुधवार को कहा कि वह पीएमजीकेएवाई के तहत एक जनवरी, 2023 से एक वर्ष की अवधि के लिए 80 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रहा है।

आईटी और टेक समूह में दमदार लिवाली से बाजार में तेजी बरकरार

मुंबई/वार्ता। विश्व बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी समेत सत्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी बरकरार रही। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 306.55 अंक की तेजी के साथ 65982.48 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 89.75 अंक चढ़कर 19765.20 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.52 प्रतिशत उछलकर 33,290.40 अंक और स्मॉलकैप 0.52 प्रतिशत बढ़कर 39,455.87 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3874 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2011 में लिवाली जबकि 1740 में बिकवाली हुई वहीं 123 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियों में तेजी जबकि शेष 18 में गिरावट रही।

बीएसई में एफएमसीजी, बैंकिंग और धातु समूह की 0.27 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 17 समूहों के शेयरों ने लाभ कमाया। इस दौरान आईटी 2.59, टेक 2.13, कमोडिटीज 0.07, सीडी 0.64, ऊर्जा 0.38, वित्तीय सेवाएं 0.06, हेल्थकेयर 0.98, इंडस्ट्रियल्स 0.19, दूरसंचार 0.68, यूटिलिटीज 0.32, ऑटो 0.94, कैपिटल गुड्स 0.03, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.01, तेल एवं गैस 0.84, पावर 0.25, रियल्टी 0.98 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.27 प्रतिशत मजबूत रहे।

युवाओं को मधुमेह का खतरा ज्यादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। चालीस वर्ष से कम उम्र के 26 फीसदी लोगों में फास्टिंग ब्लड शुगर का स्तर बॉर्डरलाइन पर पाया गया जिसका कारण जरूरत से ज्यादा तनाव, खान-पान की गलत आदतें, व्यायाम नहीं करना और सोने का कोई निश्चित समय नहीं होना तथा असामान्य नींद है।

हाल में किए गए एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि जिन लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) असामान्य है और जो मोटापे के शिकार हैं उनमें से 35 फीसदी व्यक्तियों में फास्टिंग में असामान्य ब्लड शुगर लेवल देखा गया। महिलाओं में ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित करने और टाइप टू डायबिटीज होने के खतरे को तय करने वाले महत्वपूर्ण कारक के रूप में रजोनिवृत्ति है। सर्वेक्षण में 25 हजार लोगों को शामिल किया गया और यह अप्रैल 2021 से मार्च 2023 के बीच गया।

इस वर्ष विश्व मधुमेह दिवस की मुख्य विषय वस्तु मधुमेह के रोगियों को बेहतर देखभाल तक पहुंच दिलाना है। इसका लक्ष्य सामूहिक स्तर पर मधुमेह पर लगाम और रोगियों की बेहतर देखभाल के लिए जरूरी कदम उठाना है। भारत को मधुमेह का वैश्विक केंद्र माना जाता है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि मधुमेह की जल्दी जांच कराने और इसका जल्द से जल्द इलाज शुरू करने पर खास जोर दिया जाना चाहिए। निष्क्रिय जीवन शैली मधुमेह के खतरे को और बढ़ाती है। जो व्यक्ति मधुमेह के रोग से जूझ रहे हैं, वह प्रतिरोधात्मक कदम, जैसे स्वस्थ जीवन शैली को अपनाकर, खान-पान और जीवनशैली में बदलाव कर इस स्थिति को उलट सकते हैं। जिन लोगों में मधुमेह का ज्यादा खतरा है, उनमें वह व्यक्ति शामिल हैं, जिनके शरीर का वजन ज्यादा है, जिनके परिवार में लोगों को मधुमेह होने का इतिहास रहा है या जो सुस्त जीवन बिता रहे हैं। उन्हें नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल की जांच कराना चाहिए। गलत जीवनशैली के कारण होने वाले मधुमेह को रोकने के लिए बचाव के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था 2024-26 के दौरान 6-7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी : एसएंडपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि की संभावनाएं मध्यम अवधि में मजबूत रहने का अनुमान जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 से लेकर 2025-26 तक देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सालाना 6-7.1 प्रतिशत की वृद्धि होगी। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि स्वस्थ कॉरपोरेट बही-खातों और अन्य संरचनात्मक सुधार होने से बैंकों का फंसा कर्ज मार्च, 2025 तक कुल अग्रिम के तीन-3.5 प्रतिशत तक घट जाएगा। इसके अलावा भारत में ब्याज दरों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना नहीं होने से बैंकिंग उद्योग के लिए जोखिम भी सीमित होने का अनुमान जताया गया है। एसएंडपी की प्राथमिक ऋण विश्लेषक दीपाली सेठ छाबड़िया ने कहा, असुरक्षित व्यक्तिगत ऋण तेजी से बढ़े हैं और यह फंसे कर्जों की वृद्धि में भूमिका निभा सकते हैं। लेकिन हमारा मत है कि खुदरा ऋण के लिए अंडरराइटिंग के मानक आमतौर पर अच्छे रहते हैं और इस उत्पाद श्रेणी के लिए चूक का समग्र स्तर स्वीकार्य सीमा के भीतर रहता है।

नियुक्ति आदेश दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में गुरुवार को एक सरकारी कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री ने स्टेनोग्राफर और टाइपिस्ट के पद के लिए टीएनपीएससी के माध्यम से भर्ती किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति आदेश सौंपा।

तमिलनाडु के राज्यपाल रवि ने लौटाए विधेयक, उन्हें दोबारा पारित करने के लिये तैयार है राज्य सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने उनकी सहमति के लिए सरकार द्वारा भेजे गए विधेयकों को लौटा दिया है और 18 नवंबर को विधानसभा की विशेष बैठक में प्रदेश सरकार उन्हें फिर से पारित कराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

तिरुवन्नामलाई में पत्रकारों से बात करते हुए विधानसभा अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि विधानसभा की विशेष बैठक शनिवार को होगी। विशेष बैठक के उद्देश्य के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें पता चला है कि राज्यपाल रवि ने उनकी सहमति के लिए भेजे गए कई विधेयक सरकार को वापस कर दिये हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसे विधेयकों को तुरंत फिर से पारित कराने का इरादा रखती है और इसलिए विधानसभा की बैठक 18 नवंबर को होगी। द्रमुक सरकार ने हाल ही में राजभवन पर विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को रोकने का आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

कम से कम 12 विधेयक लंबित हैं, इसके अलावा 4 आधिकारिक आदेश और 54 कैदियों की समयपूर्व रिहाई से संबंधित एक फाइल भी लंबित है। राज्यपाल रवि द्वारा सरकार को लौटाए गए विधेयकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। विधानसभा की बैठक अक्टूबर में अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दी गयी थी।

शीर्ष अदालत ने 10 नवंबर को विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने में राज्यपाल द्वारा कथित देरी को गंभीर चिंता का विषय करार दिया था। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की उस याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा, जिसमें राजभवन पर 12 विधेयकों को रोकने का आरोप लगाया गया है।

वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता शंकरैया का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वतंत्रता सेनानी और बुजुर्ग मार्क्सवादी नेता एन. शंकरैया का बृहस्पतिवार को चेन्नई के बेसेंट नगर में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि अनुभवी नेता युवा पीढ़ियों के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं और अपने जीवनकाल में ही एक किंवदंती बन गये थे।

शंकरैया के पार्थिव शरीर को कार्यकर्ताओं और आम लोगों के दर्शन के लिए पार्टी कार्यालय में रखा गया और बाद में उन्हें बेसेंट नगर श्मशान घाट ले जाया गया, जहां एक पुलिस-उपनिरीक्षक के नेतृत्व में 10 पुलिसकर्मियों ने 101 वर्षीय नेता के सम्मान में 30 राउंड गोलियां चलाई। शंकरैया को 2021 में राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपये की राशि के साथ थगैसल तमिलर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हालांकि उन्होंने पूरी राशि को राज्य सरकार को उसके कोविड-19 राहत कोष में दे दिया था। उनका जन्म 15 जुलाई 1922 को तमिलनाडु के कोविलपट्टी में हुआ था। जब वे मदुरै के अमेरिकन कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रहे थे, तब उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया और छात्रों को संगठित किया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उन्होंने पांच साल जेल में बिताए तथा आजादी के बाद लोगों के मुद्दों को उठाने को लेकर वह चार साल जेल में रहे। शंकरैया, माकपा के संस्थापक सदस्यों में से एक थे और 1995 से 2002 तक तमिलनाडु समिति के राज्य सचिव रहे।

येचुरी ने कहा, मैं यहां कॉमरेड एन. शंकरैया को श्रद्धांजलि और लाल सलाम करने आया हूं। वह न केवल तमिलनाडु में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापकों में से एक थे, बल्कि उन लोगों में से एक थे जिन्होंने माकपा की नींव रखी थी। उन्होंने कहा, शंकरैया का जीवन निरंतर संघर्षपूर्ण रहा है और वह युवा पीढ़ी के लिए एक उदाहरण हैं। येचुरी ने संवाददाताओं से कहा, एक सदी से भी अधिक समय से वह मेरे सहित कई लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहे हैं और वह अपने जीवनकाल में एक किंवदंती बन गए। उनकी विरासत जारी रहेगी।

चंद्रयान-3 रॉकेट का हिस्सा अंतरिक्ष से समुद्र में गिरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा है कि चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को कक्षा में भेजने वाले भारतीय रॉकेट का ऊपरी चरण पृथ्वी पर वापस आया और उत्तरी प्रशांत महासागर से टकराया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान को ले जाने वाले एलवीएम-3 रॉकेट के क्रायोजेनिक ऊपरी चरण ने बुधवार को दोपहर करीब 2.42 बजे पृथ्वी के वायुमंडल में अनियंत्रित रूप से पुनः प्रवेश किया।

इसरो ने कहा, संभावित प्रभाव बिंदु की भविष्यवाणी उत्तरी प्रशांत महासागर के ऊपर की गई थी। अंतिम ग्राउंड ट्रैक भारत के ऊपर से नहीं गुजरा। रॉकेट बॉडी (नोराड आईडी 57321) उस वाहन (रॉकेट) का हिस्सा था, जिसने चंद्रयान -3 अंतरिक्ष यान को 14 जुलाई को इच्छित स्थान पर सफलतापूर्वक इंजेक्ट किया था। रॉकेट बॉडी का पुनः प्रवेश इसके प्रक्षेपण के 124 दिनों के भीतर हुआ।

इस प्रकार, एलवीएम-3 एम-4 क्रायोजेनिक ऊपरी चरण का मिशन के बाद का कक्षीय जीवनकाल, इंटर-एजेंसी स्पेस डेब्रिस कोऑर्डिनेशन कमेटी (आईएडीसी) द्वारा अनुशंसित एलईओ (लो अर्थ ऑर्बिट) वस्तुओं के लिए 25-वर्षीय नियम के पूरी तरह से अनुपालन में है।

इसरो ने कहा कि चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के बाद, संयुक्त राष्ट्र और आईएडीसी द्वारा निर्धारित अंतरिक्ष मलबे शमन दिशानिर्देशों के अनुसार आकस्मिक विस्फोटों के जोखिम को

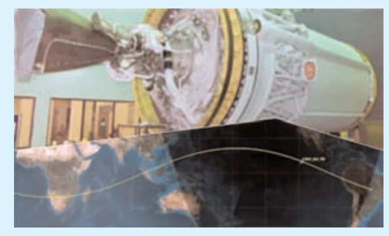

कम करने के लिए सभी अवशिष्ट प्रणोदक और ऊर्जा स्रोतों को हटाने के लिए ऊपरी चरण को भी निष्क्रिय किया गया था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत दिशानिर्देशों के अनुपालन में इस रॉकेट निकाय का निष्क्रियता और मिशन के बाद निपटान एक बार फिर बाहरी अंतरिक्ष गतिविधियों की दीर्घकालिक स्थिरता को बनाए रखने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

वी सेंथिल बालाजी का मेडिकल परीक्षण कराया गया

चेन्नई। एक मामले की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी का शहर के एक सरकारी अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया और उन्हें एंजियोग्राम कराने की सलाह दी गई है। अस्पताल के एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 14 जून को बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाला' से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। यहां पुझल जेल में बंद बालाजी ने बुधवार को बेचैनी, पीठ तथा गर्दन में दर्द और पैर सुन्न होने की शिकायत की। तुरंत, उन्हें यहां स्टेनली सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में अन्य सरकारी अस्पताल ओमनदुरर मल्टी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। हृदय रोग विशेषज्ञों सहित चिकित्सकों की एक टीम ने उनकी जांच की और उनके कई परीक्षण किए गए। ईसीएचओ और ईसीजी परीक्षण में कुछ खास नहीं आया। नाम उजागर न करने की शर्त पर एक चिकित्सक ने बताया कि उन्हें एंजियोग्राम कराने की सलाह दी गई है। एंजियोग्राम ऐसी प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति के हृदय की रक्त वाहिकाओं को देखने के लिए एक्स-रे इमेजिंग का उपयोग करती है। यह परीक्षण आमतौर पर यह देखने के लिए किया जाता है कि हृदय तक जाने वाले रक्त प्रवाह में कोई अवरोध तो नहीं है। इस साल गिरफ्तारी के बाद 21 जून को बालाजी की सर्जरी हुई थी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से वह जेल में बंद हैं।

श्रीराम समूह के लिए खुदरा एआरसी में प्रवेश का यह सही समय है : गुजराल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीराम जनरल इंश्योरेंस के वाइस चेयरमैन (वीसी) जसमीत सिंह गुजराल ने कहा कि बाजार में थोक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों या एआरसी की संख्या बढ़ने के साथ वित्त सेवा समूह श्रीराम समूह का खुदरा एआरसी में प्रवेश का फैसला ''सही समय'' पर लिया गया है।

श्रीराम समूह ने हाल ही में खुदरा संपत्ति पुनर्गठन (एआरसी) और डिजिटल धन प्रबंधन सेवा व्यवसायों में भी प्रवेश की घोषणा की है।

श्रीराम जनरल इंश्योरेंस के वाइस चेयरमैन (वीसी) जसमीत सिंह गुजराल ने हाल ही में कहा, मेरी व्यक्तिगत राय है कि इस समय प्रवेश के लिए रिटेल एआरसी एक अच्छा व्यवसाय है। उमेश (रेवनकर) भी बार-बार कह रहे हैं रिटेल एआरसी क्षेत्र में अभी कोई

नहीं है। गुजराल श्रीराम ओनरशिप ट्रस्ट के चार सदस्यीय प्रबंधन बोर्ड (बीओएम) का भी हिस्सा हैं, जो समूह की गतिविधियों पर नजर रखता है।

श्रीराम कैपिटल के वीसी एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) डी.वी. रवि, श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी वीसी उमेश रेवनकर और श्रीराम लाइफ के निदेशक आर दुरुवसन इस बोर्ड के अन्य सदस्य हैं। गुजराल ने कहा कि श्रीराम समूह के व्यवसायों में एक तालमेल है और पिछले 15-18 वर्षों में जीवन हो या सामान्य बीमा दोनों हर साल बेहतर कर रहे हैं।

यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पास कई उत्पाद हैं गुजराल ने कहा, नहीं। वास्तव में ऐसा नहीं है। यह इस तरह है कि जैसे आप बैंक के पास जाते हैं तो आप स्वर्ण ऋण, व्यवसाय ऋण और आवास ऋण आदि प्राप्त कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, यदि आपको कोई ग्राहक मिला है, तो आपको कभी ऋण उत्पाद की आवश्यकता हो सकती है या हो सकता है कि आपके बेटा को शिक्षा ऋण या व्यक्तिगत ऋण चाहिए हो। आप ग्राहकों को केंद्र में रखकर उनके लिए सेवाओं को एक गुच्छा तैयार कर रहे हैं। हर ग्राहक को सब कुछ नहीं चाहिए होता लेकिन हम उसे यह पेशकश नहीं करें तो आशंका है कि वह किसी अन्य प्रदाता के पास जा सकते हैं। श्रीराम समूह के बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश पर विचार करने के सवाल पर गुजराल ने कहा, नहीं, अभी ऐसा कोई विचार नहीं है।

पुरस्कार दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में अखिल भारत शरण साहित्य परिषद और रामनश्री प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित अठारहवें रामनश्री शरण पुरस्कार का वितरण समारोह में एस शडाक्षरी की कृति क्षणन नंदु अनिमुथु के विमोचन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना, साहित्य मंत्री आर. चन्नबसप्पा, रामनश्री फाउंडेशन के अध्यक्ष एस. शदाक्षरी, संपादक विश्वेश्वर भट्ट और रवि हेगड़े, लेखिका वीणा बन्नांजे, मनु पैगर आदि की उपस्थिति में रामनश्री शरण पुरस्कार प्रदान किए गए।

चिकित्सा शिक्षा नियामक ने एमबीबीएस सीटों की सीमा पर फैसला

चेन्नई/नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने तमिलनाडु, कर्नाटक और पुडुचेरी जैसे राज्यों के विरोध के बाद एमबीबीएस सीटों की संख्या प्रति 10 लाख की आबादी पर 100 तक सीमित करने के अपने फैसले को एक साल के लिए टाल दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा एक नवंबर को चिकित्सा नियामक को राज्यों में प्रति 10 लाख आबादी पर 100 एमबीबीएस सीटों के अनुपात के प्रावधानों पर फिर से विचार करने के लिए कहे जाने के बाद यह फैसला लिया गया।

आयोग ने कहा, यह सूचित किया जाता है कि 'अंडरग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड' राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा एक निर्णय लिया गया है, जिसमें नए मेडिकल संस्थानों की स्थापना के तहत स्नातक-पूर्व पाठ्यक्रमों के लिए दिशानिर्देशों के अध्याय-1 के तहत नए मेडिकल पाठ्यक्रमों की शुरुआत, मौजूदा पाठ्यक्रमों के लिए सीटों की वृद्धि और मूल्यांकन और रेटिंग विनियम, 2023 (16 अगस्त, 2023 को यूजीएमईबी द्वारा अधिसूचित) शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से लागू किया जाएगा।

एनएमसी के, 16 अगस्त को अधिसूचित दिशानिर्देश में कहा गया था कि आगामी अकादमिक सत्र से स्थापित मेडिकल कॉलेजों में अधिकतम 150 एमबीबीएस सीटें होंगी। दिशानिर्देश के अनुसार, 10 लाख की आबादी पर 100 एमबीबीएस सीटें होंगी। एनएमसी के अनुसार, इस नियमों के आधार पर सीटों की सीमा तय करने से स्वास्थ्य पेशेवरों की उपलब्धता के मामले में क्षेत्रीय असमानता दूर होगी।

चेन्नई पुलिस ने इस साल अब तक गुंडा एक्ट के तहत 588 लोगों को हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई शहर के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौड़ ने गुंडा अधिनियम के तहत विभिन्न अपराधों के आरोपी 23 लोगों को हिरासत में लेने के आदेश जारी किए हैं, ताकि वे एक साल तक आसानी से जमानत न ले सकें। अपराध से निपटने के लिए, बार-बार अपराध करने वाले व्यक्तियों को गुंडा अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत हिरासत में लिया जाता है।

1 जनवरी से 15 नवंबर तक, शहर के पुलिस आयुक्त ने हत्या, हत्या के प्रयास और जनता के लिए अशांति पैदा करने के आरोप में 402 व्यक्तियों के खिलाफ इस अधिनियम के प्रावधानों के तहत हिरासत के आदेश लागू किए हैं।

चोरी, डकैती और चेन स्नैचिंग में शामिल 90 लोग; गांजा सहित नशीली दवाओं की तस्करी/बिक्री में शामिल %4 व्यक्ति; साइबर अपराध से जुड़े चार व्यक्ति, वेश्यावृत्ति रैकेट में शामिल 12 व्यक्ति; तीन लोगों पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप है और एक व्यक्ति चावल की तस्करी में शामिल है।

घर लौट रहे सॉफ्टवेयर पेशेवरों का गुंडों ने किया पीछा, कार को मारी टक्कर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां के सरजापुर में देर रात कार से घर लौट रही 3 महिलाओं समेत सॉफ्टवेयर पेशेवरों का गुंडों ने पीछा किया और धमकी दी। घटना गुरुवार को तब सामने आई जब एक महिला के पति सृजन आर. शेट्टी ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यदि पुलिस को बुलाने और फिर हमें 10 दोस्तों को तुरंत बुलाने की उसकी (उसकी पत्नी की) बुद्धिमत्ता न होती तो घटना एक अलग मोड़ ले सकती थी। उन्होंने कहा कि मुझे बेंगलूरु में कभी भी असुरक्षा महसूस नहीं हुई, मैं जानता हूं कि कन्नड़ भाषी पुरुष होने का मेरा सौभाग्य है, लेकिन पिछले गुरुवार की रात मुझे महसूस हुआ कि रात 10 बजे के बाद शहर के कुछ हिस्से कितने असुरक्षित हैं।

संगोष्ठी

बेंगलूरु में गुरुवार को समाचार और जनसंपर्क विभाग और कर्नाटक मीडिया अकादमी के सहयोग से राष्ट्रीय प्रेस दिवस के हिस्से के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में मीडिया पर संगोष्ठी का आयोजन वार्ता सौधा के सुलोचना हॉल में किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार केवी प्रभाकर, सूचना और जनसम्पर्क विभाग में सरकार के सचिव एवं कर्नाटक मीडिया अकादमी के पदेन अध्यक्ष जयराम एन ने किया। अध्यक्षता सूचना और जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त हेमंत एम निंबालकर ने की।

मुलाकात

बेंगलूरु में गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात करते हुए कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर। इस मौके पर उनके साथ विधानसभा की सचिव एमके विशालाक्षी भी उपस्थित थीं। गौरतलब है कि 4 दिसम्बर से बेलगावी के सुवर्ण सौधा में सुबह 11 बजे संयुक्त अधिवेशन को राज्यपाल संबोधित करेंगे। सोलहवीं विधानसभा के यह दूसरा सत्र 10 दिवसीय होगा।

अदालत ने सिद्दरामैया के खिलाफ टिप्पणी को लेकर सुलीबेले के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित तौर पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने के आरोप में युवा ब्रिगेड के संस्थापक चक्रवर्ती सुलीबेले के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। उच्च न्यायालय की धारवाड़ पीठ में न्यायमूर्ति शिवशंकर अमरन्नवर ने सुलीबेले की ओर दायर एक आपराधिक याचिका पर सुनवाई के बाद रोक लगायी और सुनवाई स्थगित कर दी।

कारवार देहात पुलिस ने कारवार में एक मंदिर में दर्शन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में तीन अक्टूबर को की गई कथित टिप्पणी के लिए सुलीबेले के खिलाफ पांच अक्टूबर, 2023 को प्राथमिकी दर्ज की थी। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि जब भी सिद्दरामैया सत्ता में आए, हिंदुओं को परेशानी का सामना करना पड़ा और जब तक वह मुसलमानों का समर्थन करेंगे, ऐसी घटनाएं जारी रहेंगी। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई अन्य बयान दिए हैं, जिसमें हिंदुओं और मुसलमानों के बीच शत्रुता उत्पन्न करने की कोशिश की गई। सुलीबेले पर भारतीय दंड संहिता की धारा 505(2) के तहत आरोप लगाया गया है।

पनीरसेल्वम की याचिका पर उच्च न्यायालय ने सुरक्षित रखा आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने अन्नाद्रमुक के बर्खास्त नेता ओ पनीरसेल्वम को पार्टी का नाम, झंडे, चुनाव चिह्न और लैटरहैड का इस्तेमाल करने से रोकने के एक अंतरिम आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर बृहस्पतिवार को अपना आदेश सुरक्षित रखा।

न्यायमूर्ति आर महादेवन और न्यायमूर्ति मोहम्मद शफीक की खंडपीठ ने एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ पनीरसेल्वम की अपील पर आदेश सुरक्षित रखा और इसके लिए कोई तारीख नहीं बताई। पीठ ने पनीरसेल्वम की ओर से वरिष्ठ वकील अरविंद पांडियान तथा अब्दुल सलीम और अन्नाद्रमुक महासचिव ई के पलानीस्वामी की ओर से विजय नारायण की दलीलों पर सुनवाई करने के बाद आदेश सुरक्षित रखा।

न्यायूर्ति एन सतीशकुमार ने 7 नवंबर को पलानीस्वामी की याचिका पर अंतरिम आदेश सुनाया था। पलानीस्वामी ने पनीरसेल्वम को पार्टी का नाम, झंडे, चुनाव चिह्न और लैटरहैड का इस्तेमाल करने से रोका था। पनीरसेल्वम और उनके कुछ साथियों को पिछले साल अन्नाद्रमुक की सर्वोच्च नीति निर्णायक इकाई की एक बैठक में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।

राम के नए भक्तों को नहीं पता कि वनवास कितने साल का था : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने बृहस्पतिवार को बिना किसी का नाम लिए कटाक्ष करते हुए कहा कि आजकल कांग्रेस नेताओं को राम याद आने लगे हैं लेकिन उन्हें यह नहीं पता कि राम का वनवास 14 साल का था, या 13 साल का था। नड्डा ने किसी भी नेता का नाम लिए बिना कहा, राम के इन नए भक्तों को नहीं पता कि राम का वनवास 14 साल का था, या 13 साल का। वे हमारा मजाक उड़ाते थे। कांग्रेस से सावधान रहें, वे घड़ियाली आंसू बहाते हैं। नड्डा ने दौसा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस शासन में राजस्थान बलात्कार के मामलों में नंबर वन बन गया। उन्होंने कहा कि यहां पेपर लीक हुए, घोटाले हुए।

उन्होंने कहा, कांग्रेस मतलब भ्रष्टाचार, व्यभिचार, आपके हकों पर डाका। कांग्रेस का मतलब वंशवाद, परिवारवाद, सेवा के नाम पर मेवा खाना, यह कांग्रेस का लक्ष्य है। वहीं दूसरी ओर भाजपा का मतलब है विकास, तरक्की और लोगों के हित में काम करने वाली सरकार। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता जहां जाते हैं, भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि छद्म धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण राजस्थान में कांग्रेस शासन में देखने को मिला था, जहां मंदिरों पर बुलडोजर चलाये गये और 'सर तन से जुदा' के नारे लगाये गये।

नड्डा ने आरोप लगाया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के परिवार के सदस्यों ने 11000 करोड़ रुपये के ठेके लिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि गहलोत के भाई ने सब्सिडी वाले उर्वरकों का निर्यात किया। उन्होंने कहा, 'अगर हालात बदलना है तो गहलोत को घर बैठाना होगा और भाजपा को जिताना होगा।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने बुजुर्गों को भी नहीं बख्शा, क्योंकि वृद्धावस्था पेंशन घोटाला हुआ। उन्होंने कहा, यह एटीएम है.. इनका काम यहां से पैसा इकट्ठा करो और वहां कांग्रेस में उन परिवार तक पहुंचा दो। इसकी ये चिंता करते हैं और कोई काम नहीं है.. पैसा इकट्ठा करो और दिल्ली दरबार में जाकर खड़े हो जाओ। यही काम करते हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार गांव गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलितों के लिए काम करने वाली सरकार है।

भाजपा के संकल्पपत्र में युवाओं को 2.50 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र (संकल्प पत्र) बृहस्पतिवार को जारी किया जिसमें युवाओं को पांच साल में 2.50 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने यहां 'आपणो अग्रणी राजस्थान संकल्प पत्र-2023' का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर परीक्षापत्र लीक व अन्य घोटालों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाएगा।

नड्डा ने कहा, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि ऐसे मामलों में दोषियों को दंड मिले। नड्डा ने कहा, केन्द्र सरकार ने हर क्षेत्र में

राजस्थान के विकास किए कार्य किया है लेकिन हम डबल इंजन की सरकार चाहते हैं क्योंकि यहां पर तुष्टिकरण , परीक्षापत्र लीक , घोटाले और भ्रष्टाचार वाली सरकार है और इसे हटाना आवश्यक है। नड्डा ने कहा, अन्य पार्टियों के लिए घोषणापत्र महज एक औपचारिकता है, पर भाजपा के लिए यह विकास का खाका है। इसलिए ये संकल्पपत्र मात्र पन्नों पर लिखे शब्द नहीं हैं यह हमारे लिए ऐसे वाक्य हैं जिन्हें पूरा करने के लिए हम कटिबद्ध हैं।

इस संकल्पपत्र की मुख्य बातों में 'पीएम किसान सम्मान निधि' के तहत किसानों के लिए वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 12000 रुपए सालाना करना, गेहूं की फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के ऊपर बोनस देकर 2700 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदने की व्यवस्था करना, लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत सभी गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर 'सेविंग बांड' देना, सभी गरीब परिवारों की महिलाओं को 450 रुपए में एलपीजी सिलेंडर देना, अगले पांच वर्षों में प्रदेश के युवाओं को 2.50 लाख सरकारी नौकरी देना तथा पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए सभी भ्रष्टाचार के मामलों पर श्वेत पत्र लाना शामिल है।

इस अवसर पर भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी मौजूद थीं। संकल्पपत्र समिति के अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि पार्टी को घोषणापत्र के लिए करीब एक करोड़ नागरिकों से सुझाव मिले। राज्य में वधिानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होना है जबकि मतगणना तीन दसिंबर को होगी।

शाह भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में रोड शो करेंगे

अजमेर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को अजमेर जिले के विजयनगर एवं नसीराबाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा तथा रोड शो करेंगे।

अजमेर देहात भाजपा अध्यक्ष देवीशंकर भूतड़ा ने बताया कि प्रदेश से मिले अधिकृत कार्यक्रम के मुताबिक शाह कल मसूदा विधानसभा के विजयनगर में भाजपा प्रत्याशी वीरेंद्र सिंह कानावत तथा नसीराबाद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी रामस्वरूप लाम्बा के समर्थन में आमसभा करेंगे।

अजमेर शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी ने बताया कि शाह सायं चार बजे अजमेर पहुंच कर दोनों क्षेत्रों अजमेर उत्तर एवं दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों क्रमश: वासुदेव देवनानी एवं अनीता भदेल के समर्थन में रोड शो कर उन्हें जीताने की अपील करेंगे। शहर भाजपा शाह के रोड शो को लेकर उत्साहित है और तैयारियों में जुटी है ।

योगी ने कांग्रेस पर तुष्टिकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस सरकार पर तुष्टिकरण की नीति अपनाने और धार्मिक स्थलों पर पैसा खर्च करने पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार में शामिल होने का भी आरोप लगाया और कहा कि केवल डबल इंजन वाली भाजपा सरकार ही विकास को आगे बढ़ा सकती है।

योगी आदित्यनाथ ने केकड़ी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मुझे बताया गया है कि यहां की सरकार तुष्टिकरण की नीति अपनाती है और धार्मिक स्थलों पर पैसा खर्च करने से रोकती है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रतिबंध लगाती है कि धार्मिक स्थलों पर पैसा खर्च न हो। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण की हदें पार कर दी हैं। उन्होंने कहा, आपने कांग्रेस का पांच साल का कार्यकाल देखा है, आपने वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती भाजपा सरकार का कार्यकाल भी देखा है। दोनों में अंतर है। एक तरफ विकास और सुशासन है तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार, अराजकता, माफियाराज और गुंडागर्दी हावी दिख रही है। उन्होंने कहा केवल भाजपा का डबल इंजन ही सुरक्षा की गारंटी दे सकता है और सुशासन का वादा कर सकता है। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में माफिया का बोलबाला था और माफिया के लिए ही बुलडोजर लाए जाते थे।

आज जब बुलडोजर चलता है तो माफिया की गर्मी शांत हो जाती है। उन्होंने जनता से जो पैसा लूटा है उसे सरकारी खजाने में रखा जाता है और गरीबों के लिए घर बनाने में उसका इस्तेमाल किया जाता है।

देश को दुनिया की महाशक्ति बनाने का सपना केवल भाजपा पूरा कर सकती है : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश को दुनिया की महाशक्ति बनाने का सपना केवल भारतीय जनता पार्टी ही पूरा कर सकती है। गडकरी जयपुर के झोटवाड़ा में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा, 'देश को दुनिया की महाशक्ति बनानी है..गांव गरीब मजदूर किसान को भय, भूख, आतंक एवं भ्रष्टाचार से मुक्त करना है... हमारे देश को विश्व गुरु बनाना है। आत्मनिर्भर भारत बनाना है और यह सपना केवल भाजपा पूरा कर सकती है।' भाजपा नेता ने कहा, 'हम अपने लिये काम नहीं करते, हम देश के लिये काम करते हैं, गरीब के लिये काम करते हैं और इसलिये यह चुनाव केवल आपके राज्य की नहीं बल्कि हिन्दुस्तान की तकदीर बदलने वाला चुनाव है।'

इसके साथ ही गडकरी ने कहा कि पांच साल के अंदर देश में डीजल, पेट्रोल की गाड़ियां लगभग नहीं दिखेंगी केवल इलेक्ट्रिक की, इथेनॉल व हाइड्रोजन से चलने वाली गाड़ियां दिखेंगी। गडकरी ने कहा अगर राजस्थान का विकास होगा तो देश का विकास होगा.. राजस्थान के किसानों को खुशहाली मिलेगी तो देश के किसानों को मिलेगी.. राजस्थान में प्रगति और समृद्धि, सम्पन्नता आएगी तो देश में आयेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, 'यह चुनाव हिन्दुस्तान की प्रगति बनाने वाला चुनाव है। हमको घर घर जाना होगा, विश्वास को जगाना है, भाजपा को जिताना होगा।' उल्लेखनीय है कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए 25 नवंबर को मतदान होगा।

मोदी के संकल्प से भारत बनेगा विश्व में सबसे मजबूत और विकसित राष्ट्र : कर्नल राज्यवर्धन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। झोटवाड़ा से भाजपा प्रत्याशी और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन ने आज तिबरिया, भैंसावा, सांगा का बास, बेणिया का बास, डूंगरी, जोरपुरा, बासड़ी कलां, मोहनपुरा, हिंगोनिया, सुंदरियावास, खिजुरिया, डूंगरीकलां, लक्ष्मीपुरा, सुंदरनगर, कुडियों का बास, केला का बास, करणसर, खीरवा, गुढा मानसिंह, गुमानपुरा, छोटामठ और विजय गोविंदपुरा में जन संपर्क कर अपनी आने वाली पीढ़ी के सुनहरे भविष्य के लिए राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। इस दौरान अनेक स्थानों पर स्थानीय जनता और भाजपा कार्यकताओं ने माला-साफा पहनाकर और पुष्प वर्षा कर कर्नल राज्यवर्धन का जोरदार स्वागत किया। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा जनता 2014 में देश की जनता द्वारा चुनी गई भाजपा की ईमानदार मबजूत मोदी सरकार ने मात्र नो सालों में देश ही में विकास के नए आयाम स्थापित कर देश को मजबूती दी और विश्व में भारत का मान बढ़ाया है। मोदी जी के काम से हर देशवासी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी का संकल्प है कि अगले 25 सालों में देश को सबसे मजबूत और विकसित राष्ट्र बनाना है। देश हित में लिए गये मोदी जी के संकल्प को पूरा करने में हमें अपनी भूमिका निभानी है और राजस्थान में भाजपा की सरकार बनाकर प्रदेश को मजबूत बनाना है।

कर्नल राज्यवर्धन ने कहा कि एक तरफ जहां मोदी सरकार देश के विकास के लिए लगातार काम कर रही है वहीं राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश को कई साल पीछे धकेल दिया। कुर्सी बचाने के लिए सिर्फ तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार किया, गांवों के विकास का पैसा रोका, अपराधियों को संरक्षण किया, गरीबों का शोषण किया, पेपर लीक कर युवाओं का भविष्य बर्बाद किया, कानून व्यवस्था को ध्वस्त किया, किसानों और महिलाओं को अपमानित किया है। कर्नल राज्यवर्धन ने कहा कि सांसद के रूप में केन्द्र में मिली जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाया और जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में भी जमकर विकास करवाया।

राजस्थान के प्रत्येक परिवार और व्यक्ति का कांग्रेस के प्रति अटूट विश्वास : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटपूतली । मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि कोटपूतली को जिला बनाने से लोगों को अब जयपुर तक लम्बा सफर नहीं करना पड़ रहा है। आमजन और प्रशासन के बीच की दूरियां कम हुई है। विकास कार्यों को अधिक मजबूती से गति मिल रही है। गहलोत कोटपूतली में कांग्रेस प्रत्याशी राजेंद्र यादव के समर्थन में विशाल जनसभा को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि गत 5 सालों में कांग्रेस सरकार ने राजस्थान में नवाचारों के जरिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया। कुशल वित्तीय प्रबंधन से हर वर्ग तक कोरोना आपदा सहित समय-समय पर जरूरतमंदों तक आर्थिक मदद पहुंचाई गई। कोरोना में धर्मगुरूओं, सामाजिक संस्थाओं सहित सभी के सहयोग से एक भी व्यक्ति को भूखा नहीं सोने दिया गया।

अब एक बार फिर सभी को मिलकर कांग्रेस की सरकार बनानी है। गहलोत ने कहा कि महंगाई राहत कैम्प के जरिए 10 योजनाओं से हर परिवार व व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया है। इनसे पूरे देश में राजस्थान की चर्चा और सराहना हो रही है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए मिशन 2030 के तहत करोड़ों लोगों के सुझावों को शामिल करते हुए विजन-2030 डॉक्यूमेंट जारी किया। इसके अनुरूप ही कांग्रेस सरकार आगे बढ़ते हुए प्रदेश का विकास सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस ने प्रदेशवासियों को 7 गारंटियां दी है, सरकार बनते ही साकार होने लगेगी। इनसे हर घर को सामाजिक और आर्थिक सम्बल मिलेगा। गहलोत ने कहा कि राजस्थान के प्रत्येक परिवार और व्यक्ति का कांग्रेस के प्रति अटूट विश्वास रहा है।

अब फिर से हम सभी को मिलकर आगे बढ़ना है। राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करना है। इसलिए आपका एक-एक वोट कांग्रेस को मिलना चाहिए। इससे हमारी योजनाओं का लाभ भी निरंतर मिलता रहेगा।

गहलोत ने कहा कि जनता द्वारा चुनी सरकार को बीजेपी ने गिराने में कोई कमी नहीं रखी है। प्रदेशवासियों के कांग्रेस के प्रति विश्वास से राजस्थान में बीजेपी सफल नहीं हो पाई। उन्होंने कहा कि बीजेपी का झूठ जनता के सामने आ चुका है। अब जनता फिर से कांग्रेस की सरकार बनाएगी।

भाजपा की सरकार आई तो कांग्रेस के सारे काम खत्म कर देगी : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अगर राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो वह मौजूदा कांग्रेस सरकार के सभी कामों को खत्म कर देगी। इसके साथ ही राहुल ने आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को भारी बहुमत से जिताने की अपील करते हुए कहा कि 'जो काम हमने जनता के लिए शुरू किया है उसे दोगुने रफ्तार से करेंगे।' राहुल राजस्थान के तारानगर (चुरू) में 'कांग्रेस गारंटी रैली' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'राज्य में भाजपा की सरकार आएगी तो जो भी हमने आपके लिए किया है... चाहे वह पेंशन योजना हो, चाहे वह स्वास्थ्य योजना हो, चाहे वह पांच सौ रुपए

में गैस सिलेंडर हो, चाहे वह महिलाओं को 10000 रुपए देने की बात हो ... भाजपा सब खत्म कर देगी और एक बार फिर अरबपतियों की मदद करना शुरू कर देगी।'

उन्होंने कहा,' कांग्रेस को आपने वोट दिया तो गरीबों को फायदा होगा, किसानों का फायदा होगा, किसानों का कर्जा माफ होगा, किसानों की मदद होगी, छोटे व्यापारियों का फायदा होगा। ये आपको निर्णय करना है। आप अडाणी की सरकार चाहते हो या किसानों मजदूरों औरयुवाओं की सरकार चाहते हो ।...अडाणी की सरकार कोई नहीं चाहता।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'मोदी की गारंटी' वाक्य का इस्तेमाल किए जाने पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, 'नरेंद्र मोदी जी कहते हैं मोदी की गारंटी ...मोदी की गारंटी का मतलब... अडाणी की गारंटी। कांग्रेस का मतलब किसानों, मजदूरों, युवाओं की सरकार... यह फर्क है। आपको निर्णय करना है।' पार्टी के उम्मीदवारों को जिताने की अपील करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, ' कांग्रेस पार्टी को भारी बहुमत से चुनाव जिताइए और जो काम हमने आपके लिए शुरू किये हैं उसे और तेजी से, दोगुने रफ्तार से हम आपके लिए करेंगे।'

खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान का करें नाम रोशन : मिश्र

जयपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने एशियन खेल और एशियाई पैरा खेल 2022 में राजस्थान से भाग लेने वाले और विजेता रहे खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों को गुरुवार को सम्मानित किया। मिश्र यहां राजभवन में खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद करते हुए उनकी हौसला अफजाई करते हुए आगामी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

मिश्र ने एशियाई खेल और पैरा खेल के शीर्ष पदक प्राप्त करने वाले विजेता खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसी खेल में देश को पदक मिलता है तो इससे खिलाड़ी का ही नहीं पूरे देश का नाम चमकता है। उन्होंने कहा कि हर खिलाड़ी को चाहिए कि वह खेलों में आंगिक अनुशासन रखते हुए, पूर्ण प्रतिबद्ध होकर अपना सर्वोत्कृष्ट देने का प्रयास करे। उन्होंने कहा कि देश और राज्य में खेल प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास के साथ ही खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने खिलाड़ियों से एक एक कर संवाद करते हुए कहा कि भविष्य में और दोगुने जोश और जुनून से सभी खेलें। इसी से भारत खेलों में विश्व भर में अपना और महत्वपूर्ण स्थान बना सकेगा। उन्होंने पदक प्राप्त करने वालों और इन खेलों में प्रतिभागी रहे खिलाड़ियों को राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए खेलने का आह्वान किया।

छठ को लेकर बाजार में रौनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/वार्ता। लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर बिहार के बाजार में रौनक देखने को मिल रही है। बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक छठ को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। शुक्रवार से चार दिवसीय छठ व्रत का अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। लोग अभी से ही खरीदारी में जुट गए हैं।

शहर में हर तरफ छठ पूजा के सामान की छोटी-बड़ी दुकानें सज गई है। महापर्व को लेकर शहर में चहल-पहल दिखने लगी है। जिन घरों में छठ होना है, वहां तैयारी शुरू हो चुकी है। छठ पर्व को लेकर घरों में तैयारी जोर-शोर से चल रही है। कोई घर की साफ-सफाई करने में लगा है तो कोई व्रती पूजा के बर्तनों की सफाई करने में। उद्देश्य एक, छठी मइया की कृपा बने रहने का है। पर्व की तैयारियों को लेकर लोगों की खरीददारी होने लगी है, जिससे बाजार में रौनक देखी जा रही है। व्रती नहाय-खाय एवं खरना की तैयारी में लगे हुए हैं। छठ की खरीददारी के लिए राजधानी पटना के बाजार में रौनक आ गई है।

बाजारों, मंडियों में छठ की रौनक और सामान दोनों की अनोखी छठा दिख रही है। छठ पर्व पर पूजा के लिए लोग हर छोटी से छोटी चीज को जुटाने में लग गए हैं। लोग छठ की पूजा शुरू होने से पहले ही सारी तैयारी पूरी कर लेना चाहते हैं। पूजा में सफाई का बहुत ध्यान रखा जाता और कोई सामान छूट न जाए इसका भी पूरा ध्यान रखते हैं क्योंकि इसमें हर छोटी से छोटी चीजों की अपनी अहमियत होती है। इसलिए, भक्तों ने पहले से ही सारी तैयारियां शुरू कर दी है।

छठ पूजा की तैयारी को लेकर व्रतियों के घरों काफी खुशी देखी जा रही हैं। ठाकुरबाड़ी रोड, मीठापुर, कंकड़बाग, राजा बाजार, बाजार समिति,बाकरगंज, बर्तन बाजार, दिनकर गोलंबर, जीपीओ चौराहा, पटना सिटी, और हनुमान नगर समेत राजधानी के कई इलाकों में छठ का बाजार सज चुका है।शहर में छठ पूजा सामग्री का बाजार सज गया है। छठ पूजा के लिए कोशी, पीतल एवं बांस के सूप, दउरा, साड़ी, गन्ना,नारियल, फल सहित पूजा के हर छोटे-छोटे सामानों की खरीददारी तेज हो गई है। छठ पूजा को लेकर खासकर व्रतियों ने नई साड़ी की खरीदारी शुरू कर दी है। पूजा में साड़ी छठ मइया को चढ़ायी जाती है और पूजा करने वाली महिला भी नई साड़ी में ही पूजा करती हैं। इसलिए, इस समय साड़ी की दुकानों पर भीड़ लगी हुई है। चूड़ी, बिंदी सहित महिलाओं के साज-सज्ञा की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं छठ पूजा करने वाले पुरुष श्रद्धालु नए धोती की खरीदारी करते है। छठ में टीका एवं नथिया के साथ-साथ बिछिया एवं चांदी के पायल भी बिक रहे हैं।

छठ के लिए शहर में सूप और डाला की कई अस्थायी दुकानें लगायी गई हैं। बाजार में सूप-टोकरी से लेकर पूजा की हर वस्तु मिल रही है। छठ पूजा की बांस की डलिया में फल सब्जियों को सजाकर घाट पर ले जाते हैं फिर सूर्य अर्घ्य देने की परंपरा है। डलिया में कच्चे फल के अलावा,रोली, चंदन, सिंदूर, छापा भी होता है, जिसे अर्घ्य में इस्तेमाल किया जाता है।पूजा की अन्य वस्तुएं भी बाजार में उपलब्ध हैं। इनमें सिंदूर, मौली धागा, धूप, घी, रूई, कमल गोटा, बादाम, इलायची, काजू, आलता पत्ता, अखरोट,सौंफ, लौंग, किशमिश, जायफल, माला भी मिल रहे हैं। पीतल एवं कांसे से बने सूप की भी खरीददारी हो रही है। बर्तन दुकानों में छोटे-बड़े सभी आकार के सूप उपलब्ध हैं।

फर्जी वीडियो वायरल करना कांग्रेस की हताशा का परिचायक : मायावती

लखनऊ/वार्ता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उनकी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से बौखाला कर कांग्रेस फर्जी वीडियो वायरल कर उनको बदनाम करने का प्रयास कर रही है।

सुश्री मायावती ने ट्वीट कर कहा एमपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान आदि में मतदान पूर्व 'चाहे भाजपा जीत जाए किन्तु कांग्रेस को नहीं जीतना चाहिए' जैसा विशुद्ध गलत व फर्जी वीडियो का कांग्रेस द्वारा प्रचारित करना दुर्भाग्यपूर्ण व उनकी हताशा का प्रतीक। यह षडयंत्र बीएसपी की मजबूत स्थिति को देखते हुए है। लोग सावधान रहें। कांग्रेस का इन राज्यों में अति-मिथ्या प्रचार जारी है, जबकि बीएसपी द्वारा चुनावी सभाओं में लोगों से वोट देने तथा विरोधी पार्टियों के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि हथकण्डों से सावधान रहने की अपील की गई, जो पार्टी की मजबूत स्थिति को देखते हुए कांग्रेस की बौखलाहट से स्पष्ट है। अब जबकि मतदान नजदीक है विरोधी पार्टियों में भी खासकर कांग्रेस द्वारा, भाजपा से मजबूती से लड़ने के बजाय, बीएसपी विरोधी पुरानी नापाक हरकतों व साजिशों को जारी रखना घोर अनुचित व दुर्भाग्यपूर्ण, जिससे लोग सावधान रहें।

आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश देश भर में अव्वल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वार्ता। आयुष्मान भारत के तहत आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश देश भर में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाने में उत्तर प्रदेश देश में पहले नंबर पर आया है जिसके बाद मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश है।

स्टेट एजेंसी फॉर कम्प्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज़ (सांची) की सीईओ संगीता सिंह ने बताया कि गरीब लोगों को निशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर प्रदेश भर में विशेष अभियान भी चलाया जाता है। उन्होने बताया कि प्रदेश में अब तक 1 करोड़ 80 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इसमें से एक करोड़ 31 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं, जबकि 56 लाख परिवार के आयुष्मान कार्ड मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत बनाए गए हैं। उत्तर प्रदेश पूरे देश में 4 करोड़ 15 लाख 41 हजार 992 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाकर पहले पायदान पर है, जबकि दूसरे स्थान पर मध्य प्रदेश है, जहां अब तक 3 करोड़ 70 लाख आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं। वहीं तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ है, जहां 2 करोड़ 3 लाख कार्ड धारक हैं, जबकि चौथे स्थान पर कर्नाटक और पांचवें स्थान पर आंध्र प्रदेश है। कर्नाटक में 1 करोड़ 51 लाख और आंध्र प्रदेश में 1 करोड़ 40 लाख आयुष्मान कार्ड धारक हैं। सांची की सीईओ ने बताया कि प्रदेश में कुल लाभार्थियों में से 70% परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। योगी सरकार ने पात्र लाभार्थियों के शत-प्रतिशत कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया है।

बिहार में सूर्योपासना का महापर्व छठ कल से शुरू

पटना/वार्ता। बिहार में लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व कार्तिक छठ कल से नहाय-खाय के साथ शुरू हो जाएगा। सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय महापर्व के पहले दिन छठव्रती श्रद्धालु नर-नारी अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय-खाय के संकल्प के साथ नदियों-तालाबों के निर्मल एवं स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद शुद्ध घी में बना अरवा भोजन ग्रहण कर इस व्रत को शुरू करेंगे। श्रद्धालुओं ने आज से ही पर्व के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। महापर्व के दूसरे दिन श्रद्धालु दिन भर बिना जलग्रहण किए उपवास रखने के बाद सूर्यास्त होने पर पूजा करते हैं और उसके बाद एक बार ही दूध और गुड़ से बनी खीर खाते हैं तथा जब तक चांद नजर आए तब तक पानी पीते हैं। इसके बाद से उनका करीब 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू होता है।

लोक आस्था के इस महापर्व के तीसरे दिन व्रतधारी अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित करते हैं।

व्रतधारी डूबते हुए सूर्य को फल और कंदमूल से अर्घ्य अर्पित करते हैं। महापर्व के चौथे और अंतिम दिन फिर से नदियों और तालाबों में व्रतधारी उदीयमान सूर्य को दूसरा अर्घ्य देते हैं।

भगवान भाष्कर को दूसरा अर्घ्य अर्पित करने के बाद ही श्रद्धालुओं का 36 घंटे का निर्जला व्रत समाप्त होता है और वे अन्न ग्रहण करते हैं।परिवार की सुख-समृद्धि तथा कष्टों के निवारण के लिए किए जाने वाले इस व्रत की एक खासियत यह भी है कि इस पर्व को करने के लिए किसी पुरोहित (पंडित) की आवश्यकता नहीं होती है और न ही मंत्रोचारण की कोई जरूरत है।

सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा पुत्र मनोकामना के लिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/वार्ता। पुत्र मनोकामना और उसके दीर्घायु तथा कुशलता के लिए चार दिवसीय लोक आस्था का पर्व छठ पूजा (सूर्योपासाना) 17 नवंबर से शुरू कर 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्ध्य देकर समापन होगा।

सूर्योपासना के इस पवित्र चार दिवसीय पर्व के पहले दिन परवातिन (व्रत करने वाले) श्रद्धालु अंतःकरण की शुद्धि के लिए कल नहाय-खाय के संकल्प के साथ नदियों-तालाबों के स्वच्छ जल में स्नान करने के बाद अरवा भोजन ग्रहण कर व्रत को शुरू करेंगे। उसके बाद और चौथे दिन उगते सूर्य को गंगा में खड़े होकर अर्ध्य देकर व्रत समाप्त किया जाता है। यही एक ऐसा पर्व है जिसमें मूर्ति की पूजा नहीं होती और अस्ताचलगामी सूर्य का अर्ध्य दिया जाता है अन्यथा उगते सूर्य को ही अर्ध्य देकर उन्हें प्रणाम किया जाता है। छठ पर्व के दूसरे दिन को खरना के रूप में जाना जाता है। हालांकि इसी दिन से छठ व्रती का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो जाता है। शाम के वक्त अरवा चावल, दूध, गुड़, खीर इत्यादि का प्रसाद बनता है तथा भगवान भास्कर को चढ़ाने के बाद व्रती अल्प प्रसाद ग्रहण करती हैं. इस दिन निर्जला उपवास की शुरुआत हो जाती है। छठ पूजा में तीसरे दिन को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस मौके पर शाम के समय नदी या तालाब में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा है। बांस की टोकरी में फलों, ठेकुआ, चावल के लड्डू आदि से अर्घ्य के सूप को सजाया जाता है। चौथे दिन सुबह भगवान भास्कर के उदीयमान स्वरूप को अर्घ्य दिया जाता है। सुबह श्रद्धालु छठ घाट पहुंचते हैं और उगते हुए सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इसके बाद परवातिन द्वारा पारण किया जाता है तथा छठ का व्रत खोल दिया जाता है, इसी के साथ छठ पर्व का समापन भी हो जाता है। छठ पर्व मुख्य रूप से बिहार में बड़े धूम धाम से मनाया जाता है। धीरे-धीरे इसका स्वरूप बढ़ता गया। यह पर्व अब पश्चिम बंगाल, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों के साथ सात समुंदर पार जहां भी सनातनी है वहां भी मनाया जाता है।

इटावा मे वैशाली एक्सप्रेस में आग,19 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इटावा/वार्ता। उत्तर प्रदेश में इटावा जिले के फ्रेंड्स कालोनी क्षेत्र में दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर दिल्ली से बिहार के सहरसा जंक्शन जा रही 12554 वैशाली एक्सप्रेस ट्रेन के स्लीपर कोच में गुरुवार भोर आग लग गई। इस हादसे भगदड़ मचने से 19 यात्री घायल हो गए।

राजकीय रेलवे पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेन के एस-6 कोच के शौचालय में धुआं उठने से रेल यात्रियों में दहशत फैल गई और भगदड़ मचने से करीब 19 रेल यात्रियों को चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों 11 यात्रियों को सांस लेने की दिक्कत के चलते सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी के लिए रिफर कर दिया जबकि आठ यात्रियों का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। सीओ जीआरपी के मुताबिक घटना रात्रि करीब ढाई बजे की है। ट्रेन में आग बुझाने के बाद उसको गंतव्य के लिए भेज दिया गया।

राजकीय रेलवे पुलिस क्षेत्राधिकारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि दिल्ली से सहरसा जा रही ट्रेन की बोगी के बाथरूम अज्ञात कारणों से आग लग गई थी। फिलहाल कोई जनहानि की सूचना नही है। 19 यात्री घायल है। जिनको उपचार के लिए जिला अस्पताल और सैफई मेडिकल में भर्ती करवाया गया है। इटावा रेलवे स्टेशन पर पहुंचने से पहले कोच में आग और धुंआ उठता देख चीख पुकार मच गई और ट्रेन को समय रहते रोक लिया गया।

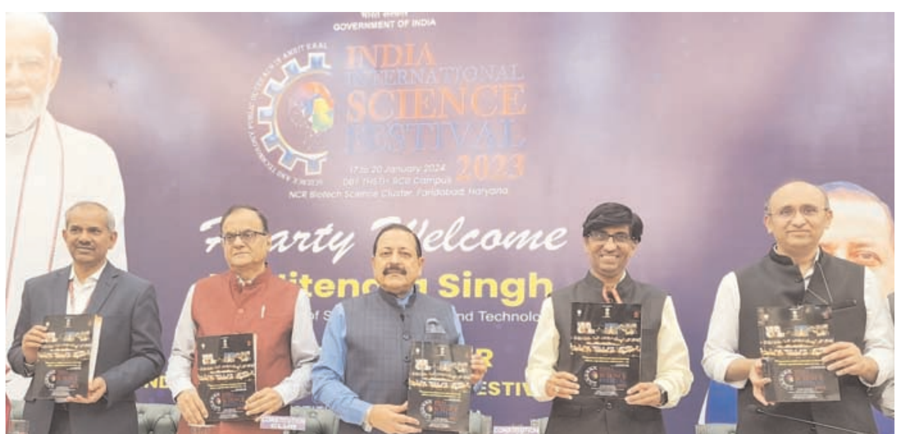

भारत ने दिखाया है कि वैज्ञानिक अनुसंधान का उपयोग हर क्षेत्र में कैसे किया जा सकता है : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत ने दुनिया के लिए एक उदाहरण पेश किया है कि वैज्ञानिक अनुसंधान का उपयोग हर क्षेत्र में विकास के लिए कैसे किया जा सकता है।

फरीदाबाद में अगले साल 17-20 जनवरी तक आयोजित होने वाले भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के पूर्वावलोकन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने वाला पहला देश है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री ने कहा, भारत ने दुनिया के लिए एक उदाहरण पेश किया है कि वैज्ञानिक अनुसंधान का उपयोग विकास उद्देश्यों के लिए कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चाहे सड़क, रेलवे, स्मार्ट सिटी परियोजना, डिजिटल स्वास्थ्य सेवा, गहरे समुद्र में अन्वेषण हो या भूजल या फसल मानचित्रण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग हों, ये सभी जगह दिखाई देते हैं। मंत्री ने कहा कि आईआईएसएफ का उद्देश्य जनता तक पहुंचना और लोगों को विज्ञान व प्रौद्योगिकी से जोड़ने का प्रयास करना है। आईआईएसएफ 2023 का विषय 'अमृत काल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सार्वजनिक पहुंच' है।

'झूठ के जगतगुरु' हैं पीएम मोदी : जयराम रमेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा, (राजस्थान) /भाषा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कांग्रेस के खिलाफ झूठ फैलाने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को उन्हें 'झूठ का जगद्गुरु' कहा।

रमेश का यह बयान ऐसे समय आया है जब मोदी ने कुछ दिन पहले विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार के दौरान राहुल गांधी को मूर्खों का सरदार कहा था। रमेश ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा और मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस अपने विकास और कल्याणकारी योजनाओं के कारण राजस्थान में सत्ता बरकरार रखेगी। उन्होंने कहा, भाजपा 'भारतीय झूठ पार्टी' है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसका प्रमुख चेहरा हैं। कांग्रेस में संगठन सर्वोच्च है और यह पार्टी का एकमात्र चेहरा है। राजस्थान में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले प्रचार अभियान चरम पर होने के बीच रमेश ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव में हमें पूर्ण जनादेश मिलेगा और कांग्रेस राजस्थान में सरकार बनाएगी। रमेश ने कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के लिए राहुल गांधी की अगुवाई वाली 'भारत जोड़ो यात्रा' को श्रेय दिया और कहा कि परिणाम राजस्थान में भी दोहराया जाएगा।

कांग्रेस महासचिव रमेश ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि वह झूठ के जगद्गुरु हैं। उन्होंने मोदी पर प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ झूठे आरोप लगाने और दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। रमेश ने कहा, प्रधानमंत्री की झूठ की एक विशिष्ट रणनीति है... भाजपा के पास केवल तीन हथियार हैं - ईडी-सीबीआई, ध्रुवीकरण और 'झूठ, जबकि कांग्रेस के पास इन तीनों हथियार का मुकाबला करने के लिए विकास कार्य, किसानों की ऋण माफी, कल्याणकारी योजनाएं और प्रदेश कांग्रेस द्वारा दी गई सात गारंटी हैं।

'सहाराश्री' पंचतत्व में विलीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/वार्ता। जाने माने उद्योगपति और सहारा समूह के प्रमुख सुब्रत राय 'सहाराश्री' का अंतिम संस्कार गुरुवार को यहां कर दिया गया। रॉय का मंगलवार देर रात मुबंई के एक अस्पताल में हृदयाघात के कारण निधन हो गया था। उनका पार्थिव शरीर बुधवार को लखनऊ स्थित सहारा शहर में अंतिम दर्शन के लिए लाया गया था। आज दोपहर उनकी अंतिम यात्रा गोमतीनगर स्थित बैकुंठ धाम (भैसाकुंड) के लिए रवाना हुई जिसमें समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव, अम्मार रिजवी,प्रमोद तिवारी और राजबब्बर समेत राजनीतिक और उद्योग जगत की कई नामचीन हस्तियों के अलावा बड़ी संख्या में सहारा परिवार के सदस्य (कर्मचारी) शामिल हुए। रॉय की चिता को मुखाग्नि शाम करीब चार बजे उनके पोते हिमांक ने दी। वहां मौजूद लोगों ने 'सहाराश्री अमर रहें' के नारे लगाए गए और अश्रुपूरित नेत्रों से उन्हे अंतिम विदाई दी गई।

उत्तर प्रदेश में बदलेगी नौ ऐतिहासिक धरोहरों की सूरत

लखनऊ/वार्ता। देश दुनिया के पर्यटन मानचित्र में उत्तर प्रदेश को अहम स्थान दिलाने के लिए प्रयासरत राज्य की योगी सरकार ने नौ चुनिंदा ऐतिहासिक धरोहरों को लग्जरी होटल समेत एडैप्टिव रीयूज एसेट्स में तब्दील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इस दिशा में कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाने का दायित्व उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग को सौंपा गया है। इस क्रम में जो खाका खींचा गया है उसके अनुसार कुल 490 करोड़ रुपए के निवेश के जरिए इन ऐतिहासिक धरोहरों की रूपरेखा तय की गई है। इस कार्य को अंजाम देने के लिए एजेंसियों के निर्धारण की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। कार्ययोजना के अनुसार, लखनऊ के छतरमंजिल में 100 करोड़ रुपए के निवेश से कायाकल्प का मार्ग प्रशस्त होगा।

विश्व कप में भारत के गेंदबाजी सुपरस्टार कैसे बने शमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जैसे ही अपने रन अप को पूरा करते हैं तभी विराट कोहली ने वानखेड़े स्टेडियम में दर्शकों से उनका हौसला बढ़ाने का इशारा किया जिन्होंने खुशी से कहना मानते हुए जोर से 'शमी, शमी' चिल्लाना शुरू कर दिया।

इससे विश्व कप में शमी के कद को साफ देखा जा सकता है, वह इस टूर्नामेंट में गेंदबाजी में भारत के सुपरस्टार हैं। वह बल्ले से शानदार प्रदर्शन करने वाले सुपरस्टार बल्लेबाज कोहली की बराबरी पर हैं। ऐसा सिर्फ बुधवार रात न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण नहीं है बल्कि अब वह जसप्रीत बुमराह से भी आगे गेंदबाजी के अकेले अगुआ दिख रहे हैं जिसके लिए उनका गेंदबाजी प्रदर्शन भी समर्थन करता है।

शमी ने विश्व कप के छह मैचों में 23 विकेट अपने नाम किए हैं जिसमें तीन बार वह पांच या इससे अधिक विकेट चटका चुके हैं और इसमें उनका स्ट्राइक रेट 10.9 का है जो हैरान करने वाला है। इन दो चीजों में वह टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। लेकिन फिर भी आंकड़े पूरी कहानी नहीं बयां करते क्योंकि दिलचस्प बात है कि शमी विश्व कप में भारत के चार मैच में अंतिम एकादश का हिस्सा भी नहीं थे। भारत आठवें नंबर पर एक बल्लेबाजी आल राउंडर उतारना चाहता था ताकि अगर शीर्ष क्रम

जल्दी आउट हो जाए तो अंत में एक अतिरिक्त बल्लेबाज मौजूद रहे।

इसी रणनीति के अनुसार आर अश्विन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में शामिल किया गया था जबकि शार्दुल ठाकुर को पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ उतारा गया। पर बांग्लादेश के खिलाफ हार्दिक पंड्या की चोट के कारण भारतीय प्रबंधन को अपनी इस रणनीति से पीछे हटना पड़ा। आल राउंडर पंड्या की अनुपस्थिति के कारण टीम प्रबंधन को धर्मशाला में न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के लिए एक बल्लेबाज और एक गेंदबाज की जरूरत थी। तब शमी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया और उन्होंने इस मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच विकेट लेकर प्रभावित किया।

शमी को भी इसका काफी श्रेय दिया जाना चाहिए कि उन्होंने निराशाजनक समय से वापसी करते हुए शीर्ष स्तरीय प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ ऐसा प्रदर्शन दिखाया। भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा, शमी एक विशेष गेंदबाज हैं और वह बहुत अच्छी गेंदबाजी भी करता है। टीम संयोजन की वजह से उसे टीम में लाना मुश्किल था। लेकिन वह नहीं खेलने के बावजूद मानसिक रूप से काफी मजबूत था। शमी ने फिर इसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ विश्व कप सेमीफाइनल में मुंबई में इससे भी अच्छा प्रदर्शन कर प्रभावित किया। न्यूजीलैंड वानखेड़े की पिच पर 398 रन के लक्ष्य का पीछा कर रहा था और प्रतिद्वंद्वी टीम की बल्लेबाजी को देखते हुए भारत 'रिलैक्स' नहीं हो सकता था। दबाव बनाने के लिए लगातार अंतराल पर विकेट की जरूरत थी।

शमी ने अच्छी शुरुआत करायी और डेवोन कॉनवे को आउट करने के बाद रचिन रविंद्र को विकेट के पीछे कैच आउट कराया। पर केन विलियमसन और डेरिल मिचेल के बीच तीसरे विकेट के लिए 181 रन की भागीदारी से भारत 'बैकफुट' में आ गया था।

रोहित शर्मा वास्तव में भारत का असली नायक है: नासिर हुसैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने मौजूदा विश्व कप में बेफिक्र क्रिकेट खेलकर भारतीय टीम की संस्कृति बदलने के लिए कप्तान रोहित शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें टीम का असली नायक करार दिया। भारतीय टीम ने मौजूदा वनडे विश्व कप में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है और अपने सभी 10 मैच जीते हैं। उसने बुधवार को यहां पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर 12 वर्षों में पहली बार फाइनल में जगह बनाई।

हुसैन ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा,''कल की सुर्खियां विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और मोहम्मद शमी को लेकर होगी, लेकिन भारतीय टीम का वास्तविक नायक रोहित शर्मा है, जिसने इस भारतीय टीम की संस्कृति को बदल दिया है। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में आक्रामक

बल्लेबाजी की है और कप्तान रोहित ने हर मैच के शुरू में ही ताबड़तोड़ रन बनाकर टीम के लिए शानदार मंच तैयार किया है। सेमीफाइनल में भी उन्होंने 29 गेंद पर चार चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 47 रन बनाए। हुसैन ने कहा,''मेरा मानना है कि आज का असली नायक रोहित है। ग्रुप चरण और नॉकआउट चरण के मैच भिन्न होते हैं तथा कप्तान ने दिखाया कि वह नॉकआउट चरण में भी बेफिक्र क्रिकेट खेलने जा रहे हैं। रोहित शर्मा ने अपने रवैए से स्पष्ट संदेश भेज दिया था।

सुविचार

ज़िंदगी उसी को आजमाती है, जो हर मोड़ पर चलना जानता है, कुछ पाकर तो हर कोई मुस्कुराता है, ज़िंदगी उसी की होती है, जो सब खोकर भी मुस्कुराना जानता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक द्वारा गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन को बर्खास्त किया जाना इस बात का संकेत देता है कि यह देश तुष्टीकरण की राह पर बढ़ता जा रहा है। ब्रेवरमैन काफी स्पष्टवादी हैं। वे अवैध 'शरणार्थियों' के मुद्दे को लेकर काफी मुखर रही हैं। उन्होंने इसी साल अप्रैल में पाकिस्तानियों द्वारा ब्रिटेन में किए जा रहे गंभीर अपराधों का 'खुलासा' किया था, जिसके बाद वे कट्टरपंथियों के निशाने पर आ गई थीं। ब्रेवरमैन की वे टिप्पणियां बहुत लोगों को अतिशयोक्तिपूर्ण और भेदभावपूर्ण लगीं, लेकिन उन्हें सिरे से खारिज नहीं किया जा सकता। यह कड़वी हक़ीक़त है कि ब्रिटेन में अंग्रेज लड़कियों को ड्रग्स की लत लगाकर उनसे दुष्कर्म करने के कई मामलों में पाकिस्तानी पुरुष लिप्त रहे हैं। ब्रिटेन ने बहु-सांस्कृतिक समाज और उदारवाद के नाम पर विभिन्न देशों से वैध-अवैध शरणार्थियों को ले लिया, जिससे वहां गंभीर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। भारतीय मूल के जो लोग वहां वर्षों से काम कर रहे हैं और उस देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दे रहे हैं, अब उनमें यह चर्चा आम है कि मौजूदा ब्रिटेन वह नहीं है, जिसका वे ख्वाब देखा करते थे। अब तो यह चर्चा शुरू हो गई है कि दस या बीस साल बाद का ब्रिटेन उनके लिए सुरक्षित होगा या नहीं? चूंकि सरकारों ने जिस तरह तुष्टीकरण को बढ़ावा दिया, उससे कई इलाकों में कानून व्यवस्था बिगड़ रही है। लंदन, बर्मिंघम, लीसेस्टर समेत कई शहरों में ऐसे इलाके बन गए हैं, जहां पुलिस भी जाने से हिचकती है। वहां पाकिस्तान, अफगानिस्तान, सीरिया, यमन, इराक, सोमालिया, लीबिया ... जैसे देशों से आए 'शरणार्थी' बड़ी तादाद में रहते हैं। उनका स्थानीय लोगों से टकराव होता रहता है। ऐसे में यह मांग की जा रही है कि नियम कड़े किए जाएं। अन्यथा कुछ दशकों बाद ब्रिटेन गंभीर नतीजे भुगतने के लिए तैयार रहे।

यूं तो ब्रिटेन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बड़ा हिमायती रहा है, लेकिन ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी के पीछे एक विवादास्पद लेख है, जिसको प्रकाशित करने से पहले उन्होंने 'प्रधानमंत्री की सहमति' नहीं ली थी। उस लेख के प्रकाशन के बाद कयास लगाए जाने लगे थे कि अब उनकी कुर्सी जाने वाली है। ब्रेवरमैन ने मेट्रोपॉलिटन पुलिस के लिए लिखा था कि उसने इजराइल-हमास संघर्ष शुरू होने के बाद लंदन में होने वाले प्रदर्शनों के प्रति सख्ती नहीं दिखाई थी। चूंकि सप्ताहांत में विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, जिसके बाद ब्रेवरमैन ने बयान दिया था कि 'हमारे बहादुर पुलिस अधिकारी कल लंदन में प्रदर्शनकारियों की हिंसा और आक्रामकता तथा प्रदर्शनकारियों के विरोध में प्रदर्शन करने वालों से निपटने में अपनी पेशेवर क्षमता के लिए हर सभ्य नागरिक की ओर से धन्यवाद के पात्र हैं। अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान कई अधिकारियों के घायल होने से आक्रोश है।' ब्रेवरमैन की टिप्पणियों के बाद प्रधानमंत्री सुनक पर उनकी कंजर्वेटिव पार्टी के कई सदस्यों का दबाव था। विपक्ष भी उन पर हमले बोल रहा था। ऐसे में ब्रेवरमैन की बर्खास्तगी से मामले को ठंडा करने की कोशिश की गई है। उनका यह बयान कि 'गृह मंत्री के रूप में सेवा करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है ... आने वाले समय में मेरे पास कहने के लिए और भी कुछ होगा' से पता चलता है कि वे खामोश नहीं रहेंगी। यकीनन उनके पास ऐसा बहुत कुछ है, जो भविष्य में उन्हें चर्चा में ला सकता है। ब्रेवरमैन ने जब अप्रैल में पाकिस्तानी पुरुषों के आपराधिक गिरोहों के बारे में कड़वी हकीकत का खुलासा किया था, तब खूब हंगामा मचा था। निस्संदेह ऐसे अपराधों में ब्रिटेन समेत अन्य देशों के लोग भी पकड़े जाते रहे हैं, लेकिन बात जब गिरोह के रूप में षड्यंत्रपूर्वक नशाखोरी और दुष्कर्म की हो तो उसमें पाकिस्तानियों की लंबी सूची है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के प्रति घृणा व भेदभाव और अत्यधिक कट्टरता के माहौल में पले-बढ़े लोग जब ब्रिटेन के उदार एवं बहु-सांस्कृतिक माहौल में जाते हैं तो उसके साथ तालमेल नहीं बैठा पाते। जब कोई व्यक्ति इस समस्या की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश करता है तो उसे कुर्सी गंवानी पड़ती है। तुष्टीकरण की राजनीति जो करवा दे, कम है!

ट्वीटर टॉक

हर क्षेत्र में भारत सरकार ने राजस्थान के लिए विकास कार्य किया है, लेकिन हम डबल इंजन की सरकार चाहते हैं। क्योंकि यहां पर जो तुष्टिकरण वाली सरकार है, पेपरलीक वाली सरकार है, घोटाले और भ्रष्टाचार वाली सरकार है, उसे हटाना आवश्यक है।

-जेपी नड्डा

संसदीय क्षेत्र कोटा की भामाशाह कृषि उपज मंडी में दीपावली के बाद आयोजित मुहूर्त पूजन में किसानों की समृद्धि की कामना की। किसानों और व्यापारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। हमारे किसान जितने अधिक खुशहाल होंगे, देश भी उतनी अधिक प्रगति करेगा।

-ओम बिरला

पूर्व मंत्री एवं सुजानगढ़ से विधायक रहे स्व. मास्टर भंवरलाल मेघवाल जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। एक जनसेवक के रूप में स्व. मास्टर भंवरलाल मेघवाल जी का संपूर्ण जीवन समाज कल्याण के लिए समर्पित रहा।

-गोविंद सिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता से अहंकार का दमन

गंगा-किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुदगल ज्ञानार्जन को आए शिष्यों को शिक्षा दिया करते थे। इस समय उनके पास दो ही शिष्य शिक्षा ग्रहण कर रहे थे। आखिर वह समय भी आ गया जब उनकी शिक्षा पूर्ण हुई और दोनों अपने-अपने विषय में पारंगत हो गए। वैसे तो विद्या से विनम्रता और अनुशासन आता है, लेकिन ये दोनों अपनी विद्वत्ता के चलते अहंकारी हो गए थे। स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे थे। एक दिन महर्षि मुदगल गंगा स्नान के पश्चात आश्रम में लौटे तो देखा कि अभी तक आश्रम की साफ़-सफाई नहीं हुई है और दोनों शिष्य भी सोकर नहीं उठे हैं। महर्षि ने दोनों को उठाते हुए आश्रम की सफाई के बारे में पूछा तो दोनों ही एक-दूसरे को सफाई के लिए कहने लगे। एक बोला, 'अब मैं पूर्ण विद्वान हूं और सफाई मेरा काम नहीं है।' दूसरे ने जवाब दिया, 'मैं भी तुम्हारे समकक्ष हूं, मुझे भी झाड़ू उठाना शोभा नहीं देता।' महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। वह बोले, 'तुम दोनों ही ठीक कह रहे हो। तुम दोनों ही विद्वान भी हो और श्रेष्ठ भी, अतः यह काम तुम्हारे लिए नहीं, मेरे लिए ही उचित है।' यह कहकर महर्षि स्वयं झाड़ू उठाकर साफ़-सफाई में जुट गए।

सामयिक

लोकतंत्र में होती है एक एक वोट की कीमत

अपने मताधिकार का प्रयोग करना आवश्यक

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। इसलिए एक वोट में काफी वजन होता है। हालांकि, हाल के दिनों में वोट के अधिकार को लेकर काफी बहस चलती है। वोट को एक महत्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए इसे हासिल करने के लिए कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को धमकाने से भी नहीं बाज नहीं आते। यहां मतदाता नहीं बल्कि उम्मीदवार एक वोट का वजन या महत्व तय कर रहे हैं। यौन कर्मियों, आदिवासियों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों का यह अनुभव है कि उम्मीदवार उनके पास वोट मांगने नहीं आते। उम्मीदवारों को लगता है कि ऐसा करने से जो फायदा होगा, उससे अधिक नैतिक लाभ इन लोगों के पास नहीं जाने से होगा। मतदाताओं को वोट देने का खोखला अधिकार तो है लेकिन यह अधिकार नहीं है कि उनके पास उम्मीदवार आएं। ऐसे में उन्हें लगता है कि उनके वोट का कोई मतलब ही नहीं है।

आज 17 नवंबर 2023 को मध्यप्रदेश में लोकतंत्र का महापर्व मनाया जा रहा है प्रदेश के लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। छत्तीसगढ़ में भी तीसरे चरण का मतदान होगा। देश का चुनाव आयोग भी हरसंभव प्रयास करता है कि हम सब वोट डालने के अधिकार का प्रयोग करें और देश में प्रजातंत्र की जड़ें और मजबूत करें। सर्वविदित है कि भारत में चुनावों का आयोजन भारतीय संविधान के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। यह एक अच्छी तरह स्थापित परंपरा है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई भी अदालत चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित किए जाने तक किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसके बावजूद अनेक मतदाता अपने वोट डालने के अधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं। वोट डालने का मकसद देश में आजादी के महत्त्व को सार्थक बनाना है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते, बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। एक वोट में काफी वजन होता है। यह ठीक है कि वोट के अधिकार को लेकर काफी बहस चलती रहती है। वोट को एक महत्त्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए इसे हासिल करने के लिए कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को धमकाने से भी नहीं बाज आते। लेकिन सभी को एक वोट का अधिकार देकर लैंगिक, धार्मिक और अन्य भेदभावों के बावजूद बराबरी का संदेश दिया जाता है। इस नैतिक दृष्टि से वोट देने का अधिकार सार्वभौमिक हो जाता है। वोट डालना क्यों जरूरी है, आइए जानें हम समझें कि अगर आप अपने हितों के लिए वोट नहीं करेंगे तो कौन करेगा? चुनाव और सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए होते हैं।

लोगों को सिर्फ दर्शक बने रहने और शिकायत करने के बजाय लोकतंत्र की सफलता के लिए इसमें भाग लेना चाहिए। युवाओं के लिए मतदान उनका संवैधानिक अधिकार है। उनके द्वारा चुनी गई सरकार उनके भविष्य के लिए किए गए निर्णयों को प्रभावित करेगी जो चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक अच्छा और पर्याप्त कारण है। दुनिया में अभी भी कुछ ऐसे देश हैं जहां लोग अपनी सरकार चुनने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है। मतदान एक अधिकार और विशेषाधिकार है जिसे पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी है। हमें इसकी सराहना करनी चाहिए और स्वेच्छा से हर मौके पर इसे करना चाहिए। भारत जैसा युवा देश जिसकी 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम है, उस देश के युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे अशिक्षित लोगों को वोट का महत्व बताकर उनको वोट देने के लिए बाध्य करें। लेकिन यह विडंबना है कि हमारे देश में वोट देने के दिन लोगों को जरूरी काम याद आने लग जाते हैं। कई लोग तो वोट देने के दिन अवकाश का फायदा उठाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाने चले जाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घर पर होने के बावजूद अपना वोट देने के लिए वोटिंग बूथ तक जाने में आलस करते हैं। हम सभी को अपने मतों का प्रयोग करके चुनाव को शत-प्रतिशत मतदान तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। जिस पार्टी का जो नेता आप चाहते हैं, उसे आप वोट डालिए।

वे सभी नेता देश के नागरिक हैं और चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त हैं। इसलिए उस क्षण तक वे जनता के प्रतिनिधि हैं। उन पर किसी प्रकार का आरोप या प्रत्यारोप नहीं लगा सकते। आपका कीमती वोट किसी भी नेता का मूल्यांकन कर सकता है। जो आप चुनेंगे वो जीत कर आएगा और यदि शत-प्रतिशत वोटिंग की जाती है तो उस जीते हुए प्रतिनिधि की सोच बदल सकती है और वह हर क्षेत्र के हर व्यक्ति के लिए काम कर सकता है, जैसे कि बिजली, पानी, सुरक्षा, शिक्षा, पेंशन, बाग-बगीचे, सड़कें आदि-आदि। देश का नागरिक मतदान करके अपने कत्र्तव्य को निभाता है। देश के नागरिक का धर्म है कि वह मतदान में हिस्सा ले और किसी ईमानदार प्रतिनिधि को चुने, जो देश का विकास कर सके। यह हम देशवासियों के हाथ में होता है कि हम किस तरह की सरकार चाहते हैं। आइए, सोचें कि हम लोग अपनी बेटी का किसी से विवाह करने से पहले पूरी तहकीकात करते हैं। लेकिन इसके विपरीत वोट ऐसे ही किसी को भी उठाकर दे देते हैं। वोट भी तो बेटी ही है ना। हम तब तक अच्छी व्यवस्था खड़ी नहीं कर पाएंगे जब तक हम वोट का महत्व और अपने मतदाता होने के फर्ज को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा नहीं देते हैं। चुनाव प्रक्रिया को त्रुटिपूर्ण समझकर चुनाव के दिन घर में ही रहने का प्रयास न करें, अपितु परिवार के साथ घर के बाहर निकलकर वोट जरूर डालें और देश में लोकतंत्र की प्रक्रिया को सफल बनाएं।

गौरतलब है की इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है, जब महज एक वोट की हार से तख्तापलट हो गया चूका है सन 1999 में एआईएडीएमके के समर्थन वापस लेने के बाद वाजपेयी सरकार को विश्वास प्रस्ताव रखना पड़ा। विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 269 और विरोध में 270 वोट पड़े और सरकार एक वोट के अंतर से गिर गई थी। वर्ष 2008 में राजस्थान विधानसभा के चुनाव में सीपी जोशी को 62,215 व कल्याण सिंह को 62,216 वोट मिले। तब जोशी सीएम के दावेदार थे। खास ये कि उनकी मां, पत्नी व ड्राइवर ने वोट नहीं डाला था। और तो और हार के कारण कांग्रेस नेता सीपी जोशी सीएम नहीं बन पाए थे 2004 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जेडीएस के एआर कृष्णमूर्ति को 40,751 मत मिले और कांग्रेस के आर ध्रुवनारायण को 40,752। छुट्टी न देने के कारण उनका ड्राइवर वोट नहीं डाल पाया था और एआर कृष्णमूर्ति विधायक बनने से चूक गए थे। 1875 : फ्रांस में तो सत्ता का पूरा रूप ही बदल गया था। एक वोट की जीत से ही फ्रांस में राजशाही खत्म हुई और लोकतंत्र का आगाज हुआ। वरना वहां के लोग अब तक राजशाही ही ढो रहे होते।1776 में अमेरिका को एक वोट की बदौलत ही जर्मन की जगह अंग्रेजी के रूप में उनकी मातृभाषा मिली थी। यहां 1910 में रिपब्लिक उम्मीदवार एक वोट से हार गया था और पार्टी मानो शोक में डूब गई थी।1923 में जर्मनी के लोगों से पूछिए एक वोट की ताकत क्या होती है, क्योंकि साल 1923 में एडोल्फ हिटलर एक वोट के अंतर की जीत से ही नाजी दल का मुखिया बना था।1876 में 19वें अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में रदरफोर्ड बी हायेस ने 185 वोट हासिल किए थे और सैमुअल टिलडेन ने 184 यह तो चंद उदहारण है बाकि तो थोड़े वोटो से कई उम्मीदवारों की हार जीत होते हुए हमने देखा है

विशेष

सनातन वैदिक संस्कृति और साहित्य वर्तमान परिपेक्ष्य में सार्थक

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 90094 15415

साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना है। शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस मैं संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती है। राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है। उनकी रचनाएं सभी जगह एक और समान है। यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। मुंशी प्रेमचंदजी ने साहित्य को जीवन की आलोचना भी कहा है।

साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अर्वाचीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है।

यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों, संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और समाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए, वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है।

चिंतन

चिंताजनक है अखबारों और लेखकों की स्थिति

डॉ सत्यवान सौरभ
मोबाइल : 9466526148

समाज में जागरूकता लाने में अखबारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। यह भूमिका किसी एक देश अथवा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, विश्व के तमाम प्रगतिशील विचारों वाले देशों में समाचार पत्रों की महती भूमिका से कोई इंकार नहीं कर सकता। मीडिया में और विशेष तौर पर प्रिंट मीडिया में जनमत बनाने की अद्भुत शक्ति होती है। नीति निर्धारण में जनता की राय जानने में और नीति निर्धारकों तक जनता की बात पहुंचाने में समाचारपत्र एक सेतु की तरह काम करते हैं। भारत में समाचार पत्रों द्वारा परोसी जाने वाली परंपरागत पत्रकारिता ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। वो चाहे अंग्रेज़ी भाषा का पहला समाचार पत्र- जेम्स हिकी द्वारा 1779 में प्रकाशित बंगाल गजट हो या 19वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारतीय भाषाओं में छपना शुरू हुए समाचार पत्र हों।

सरकारी पाबंदी, आर्थिक मंदी और टेलीविज़न के विस्तार ने समाचार पत्र उद्योग को पहले भी झकझोरा था, लेकिन इससे पहले कभी यह सवाल नहीं पूछा गया कि भारत में प्रिंट मीडिया जिंदा रहेगा या नहीं। लेकिन आज समाचार पत्र और यहां तक कि लेखकों को भी अस्तित्व बचाने के लिए गूगल व फेसबुक को मात देना होगा। बदहाल होती स्थिति पर सवाल यह है, वे ऐसा कैसे करेंगे? सबसे महत्वपूर्ण कारक है न्यूज़ कैरियर की बढ़ोत्तरी- गूगल, फेसबुक और बाकी दूसरे। एक तरफ वे किसी अन्य द्वारा उत्पादित समाचार ले लेते हैं और दूसरी तरफ वे समाचार पत्रों की आजीविका-राजस्व को हड़प लेते हैं। इनसे ज्यादा बदतर स्थिति में अखबारों के लिए लिखने वाले लेखक है जो आए दिन पूरी मेहनत करते है लेकिन मेहनताना देखे तो समुंदर में मोती मिल जाए मगर लेखकीय सहयोग नहीं। कारण इंटरनेट पर सामग्री की भरमार के फलस्वरूप अखबार कहीं से भी कुछ उठाते है और चस्पा कर देते है। ऐसे में न लेखक की जरूरत और न ही लेखकीय सहयोग का झंझट। इसी के चलते पत्रकारिता आज शातिर दिमाग वालों के लिए धंधा बन गई है जो पचास सौ कॉपी छपवाते है या डिजिटल एडिशन निकालते है और बदले में विज्ञापनों से पैसा बनाते है यहीं नहीं ऐसे लोग लेखकों को लेखकीय सहयोग देने की बजाय लेखकों से लेख छपवाने के लिए पैसे की मांग भी करते है। शर्मसार है ऐसे में पत्रकारिता। यह चिंताजनक स्थिति है क्योंकि अपने स्वरूप के कारण, जो फिक्स है, समाचार पत्र अभी भी भरोसेमंद हैं। एक अखबार पूर्ण है। यह अंतिम रूप से तैयार है, अपने आप में पक्का है, निश्चित है। इसके उलट डिजिटल समाचार को लगातार अपडेट किया जाता है, सुधारा जाता है, बदला जाता है। यह पूर्णता अखबारों की ताकत है। एक बार कुछ छप जाने के बाद, इसे टेलीविज़न या डिजिटल प्लेटफॉर्म की तरह बदला नहीं जा सकता है। लेकिन इस नियत प्रारूप के लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं। एक बड़ी दुविधा यह है कि क्या भारतीय पाठक गुणवत्तापूर्ण सामग्री के लिए भुगतान करने में रुचि रखते हैं, जबकि मुफ्त सामग्री हर जगह उपलब्ध है? इस सवाल का जवाब आसान नहीं है।पाठक भुगतान नहीं करते तो परिणामस्वरूप अखबार भी अपने लेखकों से भुगतान के नाम पर कन्नी काट रहें है। लेकिन अगर लेखक ही नहीं रहें तो अखबार मर ही जायेंगे। इसलिए अखबारों की जिम्मेवारी बनती है कि वो लेखकों को जिंदा रखे। अखबारों के साथ एक बात यह भी सोचने की है, लेखकों की आर्थिक स्थिति कैसी है ? मुझे ज्यादा पता नहीं है, पर कुछ बड़े लेखकों-पत्रकारों को छोड़ दें तो सिर्फ लिखकर अपने परिवार का भरण-पोषण करना भी मुश्किल है दो लाख रुपये एक मुश्त देखना तो सपना ही है क्यूँ कोई लेखक इतने रुपये एक साथ देख भाव विह्वल हो जाता है ?

समाचार पत्र की सबसे बड़ी पूंजी इसका बुनियादी ढांचा है, जो इसकी समस्या भी है। यह बहुत बड़ा है, क्योंकि उद्योग बड़ी संपादकीय टीम, प्रिंटिंग प्रेस, सर्कुलेशन और मार्केटिंग नेटवर्क के कारण बड़ी संख्या में मानव श्रम पर निर्भर है। अधिकांश समाचार पत्र उत्पादन की लागत पर अपने राजस्व से सब्सिडी देते हैं। सर्कुलेशन दिनोंदिन कम हो रहा है क्योंकि सरकार की ओर से कोई समर्थन हासिल नहीं है। यही कहानी लगभग सभी अखबारों की है। फंड की कमी के कारण ये बंद होते जा रहे हैं। अखबार अभी तक केवल इनको चलाने वालों की प्रतिब्धता के कारण ही जीवित हैं।

समाचार पत्र या गंभीर समाचार उद्योग अब सिर्फ एक काम समाचार-संग्रह- करता नहीं रह सकता है- उसे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की बेहतर समझ के साथ तकनीक को अपनाने से लेकर छोटे-छोटे संस्थानों और व्यक्तियों के संग काम करना, लेखकों को उचित पारिश्रमिक देकर कई फ़ॉर्मेट में स्टोरी को पेश करने से लेकर नए तरीके की मार्केटिंग रणनीति का पता लगाना होगा। उम्मीद है, समाचार पत्र इन हकीकतों पर ध्यान केंद्रित करेंगे, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

अंत में, व्यक्तिगत रूप से संचालित वीडियो ब्लॉग, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म, मैसेजिंग ग्रुप और एप्लिकेशन भी बड़ा आकर्षण रखते हैं, साथ ही अखबारों के पोर्टल से ट्रैफ़िक को दूर ले जा रहे हैं क्योंकि उपभोक्ता समझ रहे हैं कि सोशल मीडिया पर उनके संदेश तेजी से असर कर सकते हैं। इस तरह स्वाभाविक रूप से उपभोक्ता दुनिया भर में परंपरागत मीडिया से दूर जा रहे हैं। गंभीर समाचार उद्योग उच्च गुणवत्तापूर्ण सामग्री पेश करके अभी भी जीवित रह सकता है, क्योंकि इसमें अभी भी पुराने दौर के ठोस संपादकों की निगरानी में एक दमदार रिपोर्टिंग टीम है, जो तकनीक की विरोधी नहीं है और तेज़तर्रार नई पीढ़ी के साथ काम करने को तैयार है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

दीप प्रज्वलित

नई दिल्ली में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रधान मंत्री कार्यालय और अंतरिक्ष राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह न्यू में कर्टेन रेज़र कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ।

अनुष्का ने विराट के 50वां शतक बनाने पर उन्हें 'ईश्वर की संतान' कहा

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने बृहस्पतिवार को अपने पति विराट कोहली को 'ईश्वर की संतान' करार देते हुए कहा कि उन्हें देखकर वह भगवान के प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने कहा कि विराट लगातार सफलता प्राप्त कर रहे हैं और वह अपने तथा क्रिकेट खेल के प्रति ईमानदार रहे हैं।

विराट कोहली ने बुधवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के सेमीफाइनल मुकाबले में अपने आदर्श सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकार्ड तोड़ दिया। कोहली अब एकदिवसीय क्रिकेट में 50 एकदिवसीय शतक लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

इस मुकाबले में भारत ने न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर शानदार जीत हासिल की।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत की जीत के कुछ घंटों बाद अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की। उन्होंने लिखा, भगवान सबसे अच्छे पटकथा लेखक है। आपके प्रेम और लगातार आपकी सफलता को बढ़ते देखने और आपने जो हासिल किया और जो करेंगे तथा स्वयं एवं खेल के प्रति सदैव ईमानदार रहने के लिए, मैं ईश्वर के प्रति पूर्णत: कृतज्ञ हूं। आप सच में ईश्वर की संतान हो।

एक अन्य इंस्टाग्राम स्टोरी में अनुष्का ने पूरी भारतीय टीम को जीत की बधाई दी।

विराट कोहली और श्रेयस अय्यर की शानदार शतकीय पारी के बदौलत भारत ने बुधवार को यहां खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड के खिलाफ चार विकेट खोकर 397 रनों का विशाल स्कोर बनाया। अनुष्का ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला। तेज गेंदबाज शमी ने सेमीफाइनल मुकाबले में 57 रन देकर सात विकेट झटके। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अनुष्का और विराट का विवाह 2017 में हुआ था और दोनों की वर्तमान आयु 35 वर्ष है। दोनों के एक पुत्री है जिसका नाम वामिका है।

भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' पुणे में शुरू

नई दिल्ली/भाषा

भारत और श्रीलंका के संयुक्त सैन्य अभ्यास का नौवां संस्करण बृहस्पतिवार को पुणे में शुरू हुआ। इस अभ्यास के दौरान सैनिकों के बीच उच्च स्तरीय समन्वय हासिल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति-2023' 16 से 29 नवंबर तक पुणे के औंध में आयोजित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट के 120 सैनिकों द्वारा किया जा रहा है। बयान में कहा गया है, श्रीलंकाई पक्ष का प्रतिनिधित्व 53 इन्फेंट्री डिवीजन के सैनिकों द्वारा किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना के 15 सैनिक और श्रीलंकाई वायु सेना के पांच सैनिक भी अभ्यास में भाग ले रहे हैं। बयान के अनुसार अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत उप पारंपरिक संचालन का संयुक्त रूप से पूर्वाभ्यास करना है। इसमें कहा गया है, अभ्यास के दायरे में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान संयुक्त प्रतिक्रियाओं का समन्वय करना शामिल है। दोनों पक्ष छापेमारी, खोज और मिशन को नष्ट करने, हेलिबोर्न ऑपरेशन आदि जैसी सामरिक कार्रवाइयों का अभ्यास करेंगे। इसके अलावा, आर्मी मार्शल आर्ट्स रूटीन' (एएमएआर), कॉम्बैट रिफ्लेक्स शूटिंग' और योग भी अभ्यास का हिस्सा हैं। बयान में कहा गया है कि सैन्य अभ्यास 'मित्र शक्ति' - 2023 में हेलीकॉप्टर के अलावा ड्रोन और मानव रहित हवाई रोधी प्रणालियों का इस्तेमाल भी शामिल होगा।

इसमें कहा गया है, आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान हेलीपैड को सुरक्षित करने और हताहतों को निकालने का भी दोनों पक्षों द्वारा संयुक्त रूप से अभ्यास किया जाएगा। दोनों पक्ष सामूहिक शांति स्थापना अभियानों के दौरान संयुक्त राष्ट्र के हितों और एजेंडे को सबसे आगे रखते हुए सैनिकों के बीच अंतरसंचालनीयता के उन्नत स्तर को प्राप्त करने और जीवन तथा संपत्ति के जोखिम को कम करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को साझा करने से भारतीय सेना और श्रीलंकाई सेना के बीच रक्षा सहयोग का स्तर और बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस अभ्यास से दोनों पड़ोसी देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अमेरिका और चीन बाइडन-शी शिखर सम्मेलन के दौरान सैन्य संचार बहाल करने पर सहमत

वुडसाइड (कैलिफोर्निया)/भाषा

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग ने तनावपूर्ण संबंधों के दौर के बाद कामकाजी संबंध स्थापित करने के लिए चार घंटे की मुलाकात के दौरान उच्च स्तरीय सैन्य संचार, मादक द्रव्य विरोधी सहयोग और कृत्रिम मेधा पर चर्चा फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है।

दोनों नेताओं की मुलाकात सैन फ्रांसिस्को में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन से इतर हुई। लगभग एक वर्ष से अधिक समय बाद यह व्यक्तिगत बैठक सैन फ्रांसिस्को से लगभग 40 किमी दूर दक्षिण में 'फिलोली एस्टेट' में हुई। बैठक के बाद बाइडेन ने कहा, हम खुलकर और स्पष्ट संचार के रास्ते पर लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका और चीन ने अपने द्विपक्षीय संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। बाइडन ने कहा, क्या जरूरी है और क्या नहीं है, क्या हानिकारिक है और क्या संतोषजनक है, यह सब कुछ निर्धारित करने के लिए यह सही दिशा में उठाया गया कदम है। अमेरिका पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा जारी रखेगा, लेकिन हम इस प्रतिस्पर्धा को जिम्मेदारी के साथ जारी रखेंगे, ताकि यह किसी विवाद में न बदल जाए।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने तीन पुलिसकर्मियों को बंधक बनाया

कराची/भाषा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हथियारों से लैस व्यक्तियों ने एक सुरक्षा जांच चौकी पर हमला करने के बाद पुलिस के तीन सिपाहियों को बंधक बना लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना बुधवार को तुर्बत में स्थित एक पुलिस जांच चौकी की है।

अधिकारियों ने बताया कि हथियारबंद लोगों ने तीन सिपाहियों को बंधक बनाने के अलावा उनकी बंदूकें और गोलियां भी छीन लीं।

अधिकारियों के मुताबिक, भारी मात्रा में हथियारों से लैस छह से आठ लोगों ने जांच चौकी पर हमला किया।

रैली

हैदराबाद में केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री और तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को आगामी तेलंगाना विधान सभा चुनाव 2023 के लिए सिकंदराबाद निर्वाचन क्षेत्र में एक बाइक रैली में भाग लिया।

जन्मदिन

बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी पार्टी समर्थकों के साथ अपना जन्मदिन मनाते हुए।

नाना पाटेकर ने वाराणसी के किशोर की पिटाई करने को लेकर मांगी माफी

मुंबई/वाराणसी

नाना पाटेकर द्वारा सेल्फी लेने आए एक किशोर की पिटाई मामले में अभिनेता ने माफी मांगी है। हालांकि यह कथित कृत्य उनकी आगामी फिल्म 'जर्नी' के सीक्वेंस का हिस्सा था। अभिनेता को उनके साथ सेल्फी लेने आए एक लड़के की पिटाई करते हुए देखा गया। जिसके लिए उन्हें काफी आलोचना झेलनी पड़ी। इसको लेकर नाना पाटेकर ने कहा कि वायरल वीडियो का दृश्य वास्तव में फिल्म सीन का हिस्सा था। पाटेकर ने कहा, हमने एक टेक किया ही था कि एक व्यक्ति पीछे से आता है और पूछता है, 'क्या तुम मुझे अपनी टोपी बेचोगे', और मैंने उसे झटका देते हुए कहा, 'ऐसी बकवास बंद करो' और उसे धक्का दे दिया।

बाद में फिल्म निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा कि उसी दृश्य का एक और टेक होना चाहिए और जब इसे शूट किया जा रहा था, तो अज्ञात किशोर ने अचानक पीछे से कदम रखा, जैसा कि फिल्म अनुक्रम में इरादा था। पाटेकर ने शर्मिंदा होते हुए बताया, मुझे लगा कि वह हमारा लड़का है, इसलिए मैंने उसे मारा और कहा 'ऐसी बकवास बंद करो, यहां से चले जाओ' और घबराया हुआ लड़का भाग गया। एक दिन बाद पाटेकर ने उस अज्ञात लड़के से कम से कम तीन बार माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा अपने प्रशंसकों से प्यार करता हूं और कभी भी ऐसी हरकत करने के बारे में नहीं सोचूंगा। वाराणसी के लोगों की प्रशंसा करते हुए नाना ने कहा कि शूटिंग के दौरान वहां से इतना प्यार और स्नेह मिला। पाटेकर इस समय फिल्म निर्माता अनिल शर्मा की अगली फिल्म 'जर्नी' की शूटिंग के लिए पवित्र शहर में हैं।

24 को रिलीज होगी फिल्म 'शांतला'

मुंबई/वार्ता

अभिनेत्री अश्लेषा ठाकुर की बहुप्रतीक्षित मल्टीलैंग्वेज में बनी हिंदी फिल्म 'शांतला' 24 नवम्बर को पैन इंडिया रिलीज होने जा रही है। अश्लेषा ठाकुर को इसके पहले अमेजन प्राइम की वेबसीरिज फैमिली मैन में देखा गया था । फ़िल्म 'शांतला' में वह लीड कैरेक्टर प्ले कर रही हैं। उनके साथ इस फ़िल्म में निहाल कोढती मुख्य भूमिका में होंगे। मूल रूप से फ़िल्म 'शांतला' तेलुगु में बनी है लेकिन इसे एक साथ कई भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है। इंडो अमेरिकन आर्ट्स के बैनर तले बनी फिल्म शांतला' के निर्माता डॉक्टर इरैंकि सुरेश हैं, निर्देशक सेषु पेद्दी रेड्डी, जबकि संवाद लिखे हैं साई माधव बुर्रा ने । फ़िल्म 'शांतला' में संगीत विशाल चंद्रशेखर ने दिया है वहीं गीत , भास्कर भाटला,श्रीमनी और कृष्ण कांत ने लिखे है। इस फ़िल्म में अश्लेषा ठाकुर के साथ निहाल, विनोद कुमार, वीणा नायर, मंजू भार्गवी , दीपक , रेखा निरोशा, फाल्गुनी, आनंद चक्रपाणी, एवं शिव पार्वती ने अहम भूमिका निभायी है।

'दिल मिल गए' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

रोमांटिक फिल्म दिल मिल गए का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म दिल मिल गये में चार दोस्तों की कहानी है। इस फिल्म का ऑफिशल ट्रेलर यशी फिल्म पर रिलीज किया जाएगा। फिल्म के निर्देशक राजीव रंजन दास है जबकि निर्माता जय यादव, महेश उपाध्याय, प्रमोद मिश्रा और कविता जायसवाल है। यह फिल्म जय यादव फिल्म और एस आर वी प्रोडक्शन हाउस प्रस्तुत की गयी है।फिल्म दिल मिल गए के निर्देशक राजीव रंजन दास ने कहा कि हमने यह फिल्म बेहद ही खूबसूरती से बड़े कैमरे पर उतारने की कोशिश की है। उसका स्क्रीन प्ले और कथानक बेहद कमाल का है। मुझे उम्मीद है ऐसी दर्शकों को यह बेहद पसंद आने वाली है। फिल्म में सभी कलाकारों ने बेहद खूबसूरती के साथ काम किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 17 नवंबर को शाम 6 बजे जी बाईस्कोप पर होगा। दिल मिल गये में जय यादव, निहारिका पवार, रितिका शर्मा, शरद वर्मा, देव सिंह, प्रकाश जैस, अयाज खान, श्रद्धा नवल,हीरा लाल यादव, बबलू खान, मयंक कौशल, धर्मेंद्र श्रीवास्तव,राजेश गुप्ता मुख्य भूमिका में हैं। बाल कलाकार राज मिश्रा, रौनक मिश्रा, अदिति यादव(टिमटिम) आयुषी सिंह (अप्सरा) हैं। कार्यकारी निर्माता महेश उपाध्याय एवं आशीष दुबे हैं। संगीत विष्णु मिश्रा, करन वाही है। गीतकार शेखर मधुर, राजू राजा आयांकन संतोष पाल व डी. के. शर्मा हैं।

माधुरी ने टीम इंडिया की जीत का मनाया जश्न

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित नेने भी टीम इंडिया की विश्व कप सेमीफाइनल जीत से बेहद खुश हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देने के लिए एक नोट लिखा है। बुधवार को मुंबई में भारत बनाम न्यूजीलैंड विश्व कप सेमीफाइनल के दौरान माधुरी वानखेड़े स्टेडियम में थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर विराट कोहली की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी क्योंकि उन्होंने अपना 50वां वनडे शतक जड़कर सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा था। उन्होंने मैच का एक वीडियो शेयर किया। इसमें उनके पति श्रीराम नेने, अनुष्का शर्मा, विक्की कौशल और कुणाल खेमू भी हैं। उन्होंने रजनीकांत के साथ भी पोज दिया। माधुरी ने फुटबॉल के दिग्गज डेविड बेकहम के साथ एक सेल्फी भी साझा की। कैप्शन के लिए उसने लिखा, टीम इंडिया को बधाई। ब्लू में हमारे लड़कों ने क्या शानदार प्रदर्शन किया। माधुरी ने आगे कहा, विराट कोहली को लगातार दो शतक और कुल मिलाकर 50 वनडे शतक लगाने और मास्टरब्लास्टर (सचिन तेंदुलकर) का रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बधाई। हमें आज का खेल बहुत पसंद आया, जादुई अनुभव के लिए धन्यवाद।

भारत से पहले अमेरिका में प्रदर्शित होगी 'एनिमल'

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा अपनी दूसरी हिन्दी फिल्म एनिमल को लेकर विदेशों में बहुत ज्यादा चर्चा पा रहे हैं। उनकी चर्चा के चलते ही एनिमल को अमेरिका में भारत से एक दिन पहले 30 नवम्बर का सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जा रहा है। इस फिल्म को लेकर वहाँ के दर्शकों में जबरदस्त क्रेज नजर आ रहा है। इसकी एडवांस बुकिंग भारी तादाद में हो रही है। रणबीर कपूर अपनी आगामी फिल्म 'एनिमल' के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। 'एनिमल' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फैंस को फिल्म से काफी उम्मीदें हैं। रणबीर अलग ही लुक में नजर आ रहे हैं। फिल्म के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा हैं। फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे देगी। बड़ी बात ये है कि 'एनिमल' इससे एक दिन पहले 30 नवंबर को अमेरिका में रिलीज हो जाएगी। वहां भी इसका जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है।

लोग धड़ाधड़ एडवांस टिकट बुक करा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 'एनिमल' अमेरिका में सबसे ज्यादा स्क्रीन पर रिलीज होने वाली हिंदुस्तानी फिल्म में से एक बनने वाली है। इसे 888 स्क्रीन पर रिलीज किया जाएगा। यह संख्या इस साल पूरी दुनिया में धूम मचाने वाली फिल्मों 'पठान', 'जवान', 'जेलर' और 'टाइगर 3' से भी ज्यादा है। रणबीर और आलिया भट्ट की 'ब्रह्मास्त्र' अमेरिका में 810 स्क्रीन पर रिलीज की गई थी। अमेरिका में 172 लोकेशंस पर टिकटों की एडवांस बुकिंग शुरू की जा चुकी है और 'एनिमल' के 340 से ज्यादा शो बुक भी हो गए हैं। कुल 1100 टिकट बिक चुके हैं और फिल्म ने 16 लाख रुपए का बिजनेस कर लिया है। 'एनिमल' में रणबीर के साथ रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी लीड रोल में दिखेंगे।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

गलतियाँ हर इंसान करता है। लेकिन इसे स्वीकार हर कोई नहीं कर पाता।शायद ही कभी आपने इस बात को गंभीरता से लिया हो कि गलती हुई इसे स्वीकार कर लेने से क्या हो जाएगा या नहीं करते हैं तो उससे क्या फर्क पड़ेगा। याद रखिए गलती होने पर उसे स्वीकार कर लेना आपको आगे ले जाने वाले गुणों में से एक है। वे आगे बोले कि मानव स्वभाव है गलतियाँ करने का। गलतियाँ सभी से होती हैं। भले ही सो गलतियाँ करो लेकिन उन्हें दोहराओ मत। क्योंकि गलतियों को दोहराना मूर्खता है। गलती हो उसे स्वीकार करो। कुछ गलतियाँ होती हैं जो अनजाने में हो जाती हैं और कुछ होती हैं जो आपसे जानबूझकर होती हैं।

वेंकटेश दाहिमा बने रामदेव भवन ट्रस्ट ने न्यासी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गत दिनों हुई ट्रस्ट की बैठक में सर्वसहमति से समाजसेवी वेंकटेश दाहिमा को रामदेव भवन ट्रस्ट का न्यासी बनाया गया। ज्ञातव्य है कि ट्रस्ट रामदेव मंदिर, रामदेव धर्मशाला, रामदेव अस्पताल का संचालन एवं विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्य निरंतर संचालित करती है। बैठक में ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी रेखाराम पटेल, न्यासी पुखराज

पुरोहित, संतीलाल राजपुरोहित, रामदेव मण्डल के अध्यक्ष मंगल राजपुरोहित, मंत्री सवालदास वैष्णव, कोषाध्यक्ष हेमशंकर और प्रताप घाँची एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने दाहिका का सम्मान किया। वर्तमान में दाहिमा स्थानीय मद्रास दाहिमा ब्राह्मण महासभा ट्रस्ट, माँ दधिमाती सेवा धाम चेन्नई के न्यासी है। इसके अलावा वे राजस्थान के नागौर ज़िले के गोठ-मंगलोद में श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष श्री गोविंददेवगिरी के सान्निध्य में संचालित वैदिक गुरुकुल के भी न्यासी है।

द्वार उद्घघाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में साहुकारपेट स्थित धर्मनाथ जैन मंदिर में साध्वीश्री प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी के सान्निध्य में मंदिर का द्वार उद्घाटन हुआ। द्वार उद्घाटन के लाभार्थी रावतमल उत्तमचंद संपतलाल गुलाबचंद कचरमल अनिल ऋषभ लोढ़ा परिवार थे। द्वार उद्घाटन के पश्चात धर्मसभा का आयोजन हुआ जिसमें गौतमरास, महामांगलिक सहित नवस्मरण का आयोजन हुआ। इस मौके पर बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

सामग्री पुण्य से और समाधि सत्व से प्राप्त होती है : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के किलपॉक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी ने प्रवचन में कहा कि सामग्री पुण्य से प्राप्त होती है और समाधि सत्व से प्राप्त होती है। संसारी आत्मा कर्म बंधन से जुड़ा हुआ है। निद्रा या प्रमाद की तुलना में कर्मबंध से बचने के लिए जागृत अवस्था ज्यादा अच्छी रहती है। ज्ञानी कहते हैं भोगी लोग सोते हुए अच्छे लगते हैं और योगी जागृत अवस्था में अच्छे लगते हैं। जीवन में असमाधि आने के कारणों का विश्लेषण करते हुए उन्होंने कहा उतावलापन, प्रमाजना व जयणा की उपेक्षा, अतिरिक्त शयन आसन का उपयोग, गुणवान के सामने अशुद्ध वचन बोलना, वृद्धों की सेवा नहीं करना, बार-बार एकेंद्रिय जीवों की विराधना करना, बिना कारण या छोटे कारण पर बार-बार क्रोध एवं

रीस करना, अत्यंत क्रोध व रीस करना, पीठ के पीछे निंदा करना आदि असमाधि के कई कारण है। उन्होंने कहा दुर्जनों के प्रति करुणा भी मोक्ष का कारण बनता है। उन्होंने कहा उपकारी के प्रति खराब व्यवहार रखना कृतज्ञता का कार्य नहीं है। उपकार को याद न करने व मात्र स्वयं का सोचने के कारण मन में ऐसी सोच आती है।

आचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान में भी हमारे उपकारी बहुत है, जो दिखाई नहीं देते। माता-पिता, पशु, एकेंद्रिय, बेइंद्रिय जीवों आदि का रोल हमारे जीवन में रहा हुआ है, इसलिए वे हमारे उपकारी हैं। उन्होंने कहा क्रोध हमेशा गुमराह करता है। क्रोध आने का मुख्य कारण मान है। मान को क्रोध का पिता कहा गया है। छोटे क्रोध की उपेक्षा करने से वह बड़ा बन जाता है। मन के अंदर लेकर बैठना, मन के अंदर रखना, खुश नहीं रहना, उदास रहना, बार-बार चिड़ना, आदि रिस के प्रकार है।

उन्होंने कहा अपने जीवन के अंदर अनंत भवों के खराब संस्कारों को संभाला नहीं गया तो वह आगे जाकर बड़ा रूप ले लेगा और छोटी सी रिस भी व्यापक क्रोध का कारण बन जाएगी। खतरनाक परिणाम मन के दुर्विचारों से पैदा होते हैं। कई बार दुर्भाव और इरादों के बिना किया हुआ धर्म भी फलित होता है लेकिन हमें संस्कारों को अच्छा बनाना चाहिए। दूसरों के गुणों को छुपाना भी अवगुण है। गुणों की प्रशंसा को रोकना भी असमाधि का स्थानक है। दूसरों के गुण यदि सही है तो सुन लेना चाहिए।

'आत्मचिंतन से मानव जीवन सफल होता है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। पाली जिले के बिलावास स्थित स्वामी शिवपुरी अप्रोक्ष आश्रम के संतश्री छैलारामजी महाराज का मैसूरु आगमन हुआ। इस अवसर पर राठौड़ परिवार के निवास पर संतश्री का सम्मान किया गया तथा संतश्री ने प्रवचन में कहा कि मानव शरीर केवल आत्मा का घर है।

जैसे मनुष्य अपने मकान की किराया अवधि समाप्त होने पर घा बदलते हैं उसी प्रकार आत्मा भी आयुअवधि समाप्त होने पर एक शरीर बदलकर नए शरीर में प्रवेश हो जाती है, अतः हमें आत्म चिंतन

करना चाहिए। आत्म चिंतन से मानव जीवन सफल होता है। इस अवसर पर गोविंदराम राठौड़, लिकमाराम कुमावत, नरेंद्र राठौड़, नारायणलाल चोयल,राजूराम काग आदि ने संतश्रक्ष का सम्मान किया।

'एक ज़िंदगी में हज़ार ज़िंदगी जीयो'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में दैनिक प्रवचन देते हुए आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अगर जिंदगी में कुछ करना है तो एक जिंदगी में हजार जिंदगी के बराबर काम करना होगा, तभी आपको सफलता मिल सकती हैं इसका मतलब यह है कि सफल इंसान बनने के लिए आपको बहुत मेहनत करनी होगी। यह बात बिल्कुल सच है कोई भी आज तक कोई भी बिना मेहनत किये बड़ा नहीं

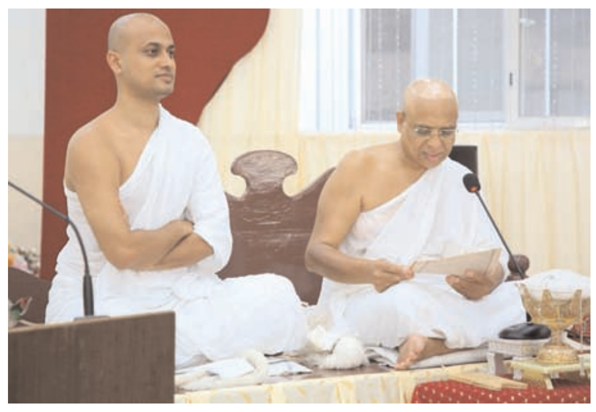

बना है जिंदगी में कामयाब होने के लिए आपको बहुत कठिन मेहनत करनी पड़ेगी। लाइफ में कामयाब होने के लिए सबसे पहली बात है अप टू डेट रहना। दुनिया के साथ साथ चलना और दुनिया में होने वाले बदलाव को कबूल करना। अगर आप पीछे रह गए तो बाद में आप नए कन्वर्शन को समझ नहीं पाओगे और आप दुनिया से बहुत पीछे रह जाओगे। दुनिया वाले आप से बहुत आगे निकल जाएंगे। नतीजन आप फेल हो जाओगे और आपकी जिंदगी बर्बाद हो जाएगी। संतश्री ने कहा कि ईश्वर ने आपको जिंदगी दी है कुछ नया करने और दूसरों की मदद करने के लिए। हमेशा अपने आपको आधुनिक रखें और नई दुनिया के लिए तैयार रहें। आगे आचार्यश्री ने कहा कि जो वक्त गुजर चुका है उसके बारे में सोच कर अपनी जिंदगी बर्बाद मत करो। अतीत को कभी भी बदला नहीं जा सकता मगर भविष्य को बदला जा सकता है। भविष्य को खूबसूरत और सफल बनाया जा सकता है। आपको चाहिए कि आप गुजरे हुए समय की बात या दुख को भूलकर नयी जिंदगी यानी अपने आने वाले समय की तैयारी करें ताकि आपका आने वाला कल बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि ये बात अच्छी तरह समझ लीजिये की दुनिया में जो भी है वो सबकुछ बदलेगा, फिर चाहे आप उन बदलावों को अपनाये या नहीं । इसलिए दुनिया के बदलने से पहले खुद को इतना बदल दो की इस दुनिया के बदलने से पहले आप दुनिया के आगे आकर स्वागत कर सकें कि देखो मैं यहाँ पहले से पहुँच गया हूँ।

दीपावली पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे शर्मा ट्रांसपोर्ट, हुआ स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राज्य के जाने माने ट्रॉसपोर्ट्स 'शर्मा ट्रॉसपोर्ट' में सनातन संस्कृति के अनुसार सबसे बड़े पर्व दीपावली पूजा का आयोजन किया जिसमें मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की व झांकी सजाई गई।

इस मौके पर शर्मा ट्रॉसपोर्ट के प्रमुख सुनील शर्मा ने अपनी माता रामकन्यादेवी व परिवार के साथ विधि विधान से लक्ष्मी पूजा की। दीपावली पूजा में कर्नाटक सरकार के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री रामलिंगा रेड्डी सहित अनेक राजनेता, ट्रॉसपोर्ट उद्योग से जुड़े अग्रणी लोग तथा समाज के गणमान्य लोगों ने भाग लिया तथा दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीपावली के मौकेपर सुनील शर्मा ने मैसूरु फेटा पहनाकर व माल्यार्पण कर उपमुख्यमंत्री शिवकुमार का विशेष सम्मान किया तथा उनका मुंह मीठा करवाया।

इस मौके पर सुनील शर्मा, संतोष शर्मा, राजेश शर्मा, घनश्याम शर्मा सहित शर्मा परिवार के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

परमात्मा की भक्ति से मन के संताप शांत हो जाते हैं : मुनिश्री राजपद्मसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम में श्रमणी भवन में प्रवचन के दौरान श्रावक एवं श्राविकाओं को समझाते हुए मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि परमात्मा की भक्ति से असंभव कार्य भी संभव बन जाते हैं। असाढी श्रावक द्वारा प्रभु पार्श्वनाथ की प्रतिमा भराई गई। स्तवन द्वारा प्रभु पार्श्वनाथ की महिमा का गान करते हुए कहा संतश्री ने कहा कि बीसवें तीर्थंकर श्री मुनिसुव्रत स्वामी के शासनकाल में श्री रामचंद्र जी एवं लक्ष्मण जी ने भी प्रभु की आराधना की थी। महापुरुष हमेशा पूजनीय होते हैं। उनकी आराधना व भक्ति करने से व्यक्ति के जीवन के संताप मिट जात

सफलता की मंजिल में नींव का पत्थर होता है अदम्य साहस : साध्वी भव्यगुणाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जब मानव दृढ़ संकल्प के साथ अच्छे लक्ष्य को लेकर निस्वार्थ भाव से परमार्थ के कार्यों की शुरुआत करता है वही उसके जिंदगी का नया पल होता है। अदम्य साहस सफलता की मंजिल में नींव के पत्थर की भांति काम करता है। खाने, पीने व सोने तक जिसका जीवन सीमित है वह पशु से बदतर है इतना काम तो पशु भी करते हैं, वह मानव जन्म को व्यर्थ खो रहा है। दुर्लभ मानव जन्म का हर पल तीन लोक की संपत्ति के दान से बढ़कर होता है, देवता भी इसके लिए तरसते हैं। जितना लक्ष्य महान होगा उसको प्राप्त करने के लिए दीवानापन होगा वह व्यक्ति उतनी ही ऊंचाइयों को छूएगा।

साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि संकट विपत्ति और परेशानी से नहीं घबराने वाले मान अपमान के परवाह न करने वाले महापुरुष मरकर भी अमर हो जाते हैं। नेमीचंद वेदमुथा ने बताया कि राजेंद्रसूरी गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ फुटरमल कोटमाल बागरेचा परिवार ने लिया। इस अवसर पर दिलीप कांकरिया, फुटरमल बागरेचा, जयंतीलाल पटियात, चंपालाल गादिया, प्रदीप वेदमुथा, मुकेश श्रीश्रीमाल,अरुणा कानूंगा,संगीता पटियात, मीना जैन आदि उपस्थित रहे।

धर्म से ही आत्मा का अभ्युदय होता है : साध्वीश्री धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट जैन भवन में महासाध्वी धर्मप्रभाजी ने आयोजित धर्मसभा में कहा कि धर्म से ही आत्मा का अभ्युदय होता है और आत्मा को संसार से मुक्ति मिलती है। धर्म-कर्म से ही आत्मा का कल्याण हो सकता है। मानव भव बार बार नहीं मिलता है अंनत पुण्यवानी करने पर प्राप्त होता था मानव जीवन। मनुष्य जीवन मिलने के बाद भी यदि धर्म के मार्ग पर नहीं चलता तो उसे जीवन में सुख नहीं मिल पाएगा और न ही वह अपनी आत्मा को संसार से मुक्ति दिलवा सकता है। आत्मा को मुक्ति तब मिल सकती है जब मनुष्य मोह का त्याग करता है तो उसे पुरुषार्थ करता है और अपने मानव भव को सार्थक

बना सकता है। साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि क्रोध और तूफान एक जैसे होते हैं, दोनों के शांत होने के बाद पता चलता है कि नुकसान कितना हुआ है । गुस्सा एक ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से सभी अच्छे गुण खत्म हो जाते है और इंसान एक पल में शैतान बन जाता है और स्वयं का विनाश कर लेता है, अंत में पश्चाताप के अलावा कुछ नहीं बचता है। मनुष्य को क्रोध से जितना बचेगा और शांत रहेगा तभी वह जीवन में उपलब्धि प्राप्त कर सकता है।

आसक्ति जीवन विकास में सबसे बड़ी बाधक : साध्वी चैतन्यश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुसवाक्कम के एएमकेएम में विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिसको आसक्ति आ जाती हैं फिर वह नहीं जाती है। मनुष्य जब तक पैसे कमाता है पूरा परिवार उसे सिर आंखों पर रखता है परंतु जैसे हैं परिवार वालों को पता चलता है कि अब यह कमा नहीं सकता अब यह बूढ़ा हो चुका हैं अब यह किसी काम का नहीं है तो उसे अकेला छोड़ देते हैं। वह पड़ा पड़ा मन में सोचता हैं कि यही परिवार मेरे बिना रहता नहीं था आज वह परिवार मुझे अकेले अपने

कर्मों के भरोसे छोड़ दिया है इसी का नाम मोहाशक्ति हैं। यही भोगासक्ति का दुष्परिणाम है। उद्वेग का चौघड़िया जीवन को सुख शांति में बाधक बन जाता है। उद्वेग जीवन का सबसे बड़ा रोड़ा हैं । दुर्योधन,रावण, कंस जैसे महाशक्ति भी हटाग्रही बनकर अपना सर्वनाश कर लेते है, हमें बनना हो तो राम, कृष्ण और महावीर जैसा बनना चाहिए। साध्वीश्री ने कहा कि अनंत पुण्योदय से संतों का समागम मिलता है। संतों के दर्शन मात्र से ही कई जन्मों के पाप नष्ट होकर आत्मा को सुख शांति की अनुभूति होती है शरीर क्षणभगुंर हैं, नश्वर हैं, नाशवान हैं । जब तक शरीर हैं संयोग-वियोग सुख-दुख अनुकूल-प्रतिकूल तथा जन्म मरण चलता रहेगा जो जैसा कर्म करेगा वैसा ही उसको फल की प्राप्ति होगी।

रविवार को श्री चैतन्याश्रीजी के सान्निध्य में साध्वीश्री धर्मप्रभाजी व स्नेहप्रभाजी की उपस्थिति में गुरुदेवश्री गणेशलालजी म.सा.की जयंती मनाई जाएगी, यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के यलहंका स्थित अंबा भवानी देवस्थान में विशेष पूजा व मानवसेवा कार्य का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की विशेष पूजा अर्चना कर बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की।

मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे ज्ञानचन्द भंडारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता शांतिलाल भंडारी के अनुज ज्ञानचन्द भंडारी का बुधवार को सुबह 9 बजे हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया था। उनकी स्मृति में गुरुवार को गणेश बाग में साध्वीश्री विजयलताश्रीजी की शिष्या प्रज्ञाश्रीजी के सान्निध्य में उठावना सभा का आयोजन किया गया। भंडारी परिवार के स्वजनों व हितैषियों ने स्व. ज्ञानचन्द भंडारी के

गुणों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर वक्ताओं ने बताया कि स्व. ज्ञानचन्द एक हंसमुख व मिलनसार स्वभाव के सरल व सुलझे हुए व्यक्ति थे। धर्म व गुरु सेवा में विश्वास करने वाले ज्ञानचन्द मातृपिता भक्त थे। ज्ञानचन्दजी की एक विशेषता थी कि वे जब भी बेंगलूरु में रहते थे, हमेशा अपनी माता के साथ ही एक ही थाली में भोजन करते थे।

स्व. ज्ञानचन्द को साधु संतों की वाणी पर अपार विश्वास था तथा वे गुरुभक्त थे। वे यारों के यार थे। अपने नाम के अनुसार उन्हें धर्म का अच्छा ज्ञान था तथा वे स्वयं एक अच्छे स्वाध्यायी व धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.